विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 30, वर्ष 6, अंक 63
माह - फरवरी-मार्च, 2024, मूल्य : नि:शुल्क

विनयांजलि सभा -

आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज के समाधिस्थ हो जाने पर विनयांजलि सभा हुई

माह
फरवरी-मार्च
2024
संयुक्त अंक

इंटर्नशिप -

तीन छात्राओं ने समय प्रबंधन, संगठन और संचार कौशल को सीखा

स्वदेशी मेला में उमड़ी लोगों की भीड़

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक अध्यक्ष

सुनीता अरिहंत
कार्यकारी अध्यक्ष

सौरभ रांधेलिया
उपाध्यक्ष

आकांक्षा मलैया
सचिव

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी

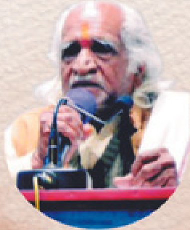

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयाँश जैन
मार्गदर्शक

अनिल अवस्थी
मार्गदर्शक

गुलज़ारी लाल जैन
मार्गदर्शक

अर्चना रांधेलिया
मार्गदर्शक

अंशुल भार्गव
मार्गदर्शक

डॉ. स्वप्निल बी. मंत्री
मार्गदर्शक

सागर शहर में पहली बार स्वदेशी मेला का आयोजन 25 फरवरी से 5 मार्च तक हुआ

स्वदेशी मेला में दिखी आत्मनिर्भरता की झलक : कपिल मलैया

स्वदेशी मेला में 19 राज्यों के कलाकारों ने दी अपनी रंगारंग प्रस्तुतियां

स्वदेशी मेला में उद्बोधन देते हुए स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय संगठक कश्मीरी लाल जी

शहर में पहली बार स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन, स्वदेशी जागरण मंच द्वारा स्वदेशी मेला का आयोजन किया गया था। यह मेला 25 फरवरी से 5 मार्च तक पीटीसी ग्राउंड में लगाया गया था जिसका समापन 5 मार्च को हो गया। मेला का उद्घाटन राज्यमंत्री धर्मेंद्र लोधी, विधायक शैलेंद्र जैन ने किया। मेला की शुरुआत सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन कर की गई। इसके पश्चात मेला प्रांगण में संतवाणी पं. बृजेश मिश्रा दिल्ली द्वारा भजन प्रस्तुति दी गई इसके साथ ही देश विदेश में प्रख्यात बाबा सत्यनारायण मौर्य एवं अन्य प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा देशभक्ति गीत एवं एक शाम देश के नाम जैसे गानों पर अपनी प्रस्तुति दी। दस दिवसीय मेला में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय संगठक कश्मीरी लाल जी, नरयावली विधायक प्रदीप लारिया, महापौर संगीता सुशील तिवारी, नगर निगम आयुक्त चंद्रशेखर शुक्ला, जनसंपर्क प्रमुख प्रणव पारे, कलेक्टर दीपक आर्य,सागर एसपी अभिषेक तिवारी, पूर्व महापौर इंजीनियर अभय दरे, भाजपा जिला अध्यक्ष गौरव सिरोठिया, जेल पुलिस अधीक्षक दिनेश नागवारे, क्षेत्रीय प्रमुख सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया एन.के. सिंह, डीएफओ उत्तर मंडल चंद्रशेखर सिंह, नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार, मुख्य अतिथि पूर्व विधायक सुनील जैन, विपिन बिहारी जी, नेवी जैन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भारतीय शैली कुश्ती संघ अर्जुन यादव, रिशांक तिवारी थे। मेला के संयोजक एवं विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि मेला का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के वोकल फ़ॉर लोकल के संदेश के साथ ही देशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए लोगों को जागरूक करना है।

संतवाणी पं. बृजेश मिश्रा दिल्ली द्वारा भजन प्रस्तुति एवं देश विदेश में प्रख्यात बाबा सत्यनारायण मौर्य एवं अन्य प्रसिद्ध कलाकारों ने देशभक्ति गीत एवं एक शाम देश के नाम जैसे गानों पर अपनी प्रस्तुति दी

उन्होंने कहा कि स्वदेशी मेला जहां एक ओर लोगों का भारत के स्थानीय उत्पादों से परिचय कराता है, वहीं लघु व मध्यम उद्योगों को अवसर प्रदान करने का भी काम करता है। स्वदेशी मेले जैसा शायद ही कोई मंच है, जो लोक उत्पाद को इतना बड़ा बाजार उपलब्ध कराता है। इन आयोजनों में भारत की समृद्ध परंपरा की झलक देखने को मिलती है। श्री मलैया ने बताया कि संस्कृति और परंपराओं की धरोहर तथा औद्योगिकीकरण की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ रहे सागर में स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा रहा है। सन 1999 से देश में आयोजित हो रहे स्वदेशी मेलों की श्रृंखला में छत्तीसगढ़ आदि राज्यों के पश्चात अब सागर नगर को पहली बार आयोजन की सौगात मिली है। स्वदेशी मेला भारतीय उद्यमियों के लिए नए व्यावसायिक अवसर उपलब्ध कराता है। विगत 20 वर्षों में यह मेला भारतीय उत्पादकों, ग्रामीण, कुटीर, निजी, सहकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए लाभकारी व्यापार उपक्रम के रूप में उभरा है। रायपुर, बिलासपुर, ग्वालियर, भोपाल, इंदौर, मथुरा, दिल्ली आदि शहरों से स्वदेशी वस्तुओं के स्टॉल लगाए गये। स्वदेशी मेला में 19 राज्यों कलाकारों ने अपनी रंगारंग प्रस्तुतियां दी। सुनीता अरिहंत ने कहा कि मेले में कई उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जायेगी। इस दौरान कई तरह की प्रतियोगितायें भी हुईं साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। मेले में ज्वेलरी, कपड़े, गृह सामग्री, बच्चों के झूले, हैण्डीक्राफ्ट एवं हैण्डलूम, कुश्ती प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर डॉ. गौरीशंकर चौबे विभाग संघ चालक, विनोद नेमा सह प्रांत कार्यवाह महाकौशल प्रांत राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, राजकुमारी शुक्ला प्रांत महिला प्रमुख स्वदेशी जागरण मंच, प्रो. विकास सिंह प्रांत सह संयोजक स्वदेशी जागरण मंच, आलोक सिंह चौहान प्रांत संयोजक स्वदेशी जागरण मंच, केशव जी दुबेलिया मध्यक्षेत्र संगठक स्वदेशी जागरण मंच, मध्यक्षेत्र समन्वयक स्वावलंबी भारत अभियान, प्रो. राघवेन्द्र प्रताप सिंह चंदेल अखिल भारतीय सह विचार प्रमुख स्वदेशी जागरण मंच, जितेन्द्र शुक्ला अखिल भारतीय सह समन्वयक स्वावलंबी भारत अभियान, सुधीर दातें मध्यक्षेत्र संयोजक स्वदेशी जागरण मंच, साकेत राठौर अखिल भारतीय सह मेला प्रमुख, सुनील देव क्षेत्र समरसता प्रमुख, धर्मेन्द्र गुप्ता जिला समन्वयक स्वावलबी भारत अभियान, भूपेन्द्र नायक प्रदेश मंत्री सहकार भारती, दीपक तिवारी विभाग संयोजक स्वदेशी जागरण मंच, रज्जन अग्रवाल, सावंत जी संगठन मंत्री, राम सहाय जी नगर कार्यवाहक, रामकेश जी जिला सह कार्यवाह आरएसएस, विनय मलैया, रिशांक तिवारी, सौरभ संधेलिया, सिद्धार्थ शुक्ला, सुष्मिता ठाकुर, अखिलेश समैया, राम मिश्रा, जय कुमार जैन, पूजा पड़ेले, कैलाश तिवारी, सुनील सागर, विवेक सिंघई, नरेन्द्र साहू, अंजली दुबे, नितिन सोनी, नितिन पटैरिया, श्रीयांश जैन, रविंद्र ठाकुर, नवीन सोनी आदि उपस्थित रहे।

स्वदेशी मेला में रंगारंग कार्यक्रम की झलकियां

रंगारंग कार्यक्रम में उपस्थित दर्शक

फूलों की होली, लोकगीत एवं लोकनृत्य की प्रस्तुति

भारतीय शैली कुश्ती संघ द्वारा दो दिवसीय कुश्ती प्रतियोगिता

मेला में लगे देश के विभिन्न राज्यों से आये स्वदेशी स्टॉल

विनयांजलि सभा एवं भक्तामर पाठ का आयोजन हुआ

आचार्य विद्यासागर महाराज जैनों के ही नहीं बल्कि सर्व समुदाय के संत थे : कपिल मलैया

विनयांजलि सभा के पहले दीप प्रज्जवलित करते हुए समाजसेवी कपिल मलैया।

स्वदेशी मेला स्थल पीटीसी ग्राउंड में आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज के समता भाव से सल्लेखना पूर्वक समाधिस्थ हो जाने पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का गुणगान करते हुए उनके प्रति विनयांजलि प्रेषित करने हेतु विनयांजलि सभा एवं भक्तामर पाठ का आयोजन किया गया है। विनयांजलि सभा में शहर के सभी समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

स्वदेशी मेला के संयोजक एवं विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि आचार्य विद्यासागर महाराज केवल जैन समुदाय के ही नहीं बल्कि वह तो सर्व समुदाय के संत थे। आचार्यश्री ने अपना संपूर्ण जीवन अहिंसा, शाकाहार और मानवता के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। उनकी समाधि का समाचार सुनकर संपूर्ण जनमानस शोक में डूब गया। आचार्यश्री के द्वारा किए गए कल्याणकारी कार्य हमारी स्मृति में और आचार्यश्री हमारे हृदय में सदैव विराजमान रहेंगे। प्रभुदयाल पटैल प्रदेश मंत्री भाजपा ने आचार्यश्री को विनयांजलि देते हुए कहा कि आचार्य श्री के बताए हुए मार्ग पर हमें चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि देना होगा। गुलझारी लाल जैन समाजसेवी ने कहा कि महाराज जी से मैं पहली बार 1977 में मिला था। वे मेरे घर रूके थे। मुझे ऐसे कई अवसर मिले जब मुझे आचार्यश्री की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

विनयांजलि सभा में शहर के सभी समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

गौरव सिरोठिया भाजपा जिलाध्यक्ष ने बताया कि मुझे दो वर्ष पूर्व आचार्यश्री का आशीर्वाद मिला था। आचार्यश्री ने मातृभाषा को प्रमुख स्थान देते हुए अपना पूरा जीवन भारत के लिए न्यौछावर कर दिया। यश अग्रवाल युवा इकाई भाजपा ने बताया कि आचार्यश्री ने स्वदेशी को बढ़ाने पर जोर दिया। सूरज सोनी अध्यक्ष धर्म रक्षा संगठन ने कहा कि गुरूवर ने पूरे विश्व को प्रकाशमय किया। अवनीश जैन समाजसेवी इंदौर ने कहा कि जीवन में मुझे दो बार आचार्यश्री से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। गुड्डू राजा ने बताया कि हमारा परिवार आचार्यश्री से हमेशा जुड़ा रहा है। तरवर सिंह लोधी, पूर्व विधायक ने बताया कि आज जैन समाज ही नहीं अपितु पूरे भारत वर्ष के लिए अपूर्णनीय क्षति हुई है। विचार समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि आचार्यश्री युगों-युगों तक जाने जाएंगे। उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने बताया कि आचार्य आज भले ही हमारे बीच नहीं है। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही हम समाज व धर्म को आगे बढा सकते है। मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने बताया कि आचार्य जी सही मायने में राष्ट्र संत हैं। मार्गदर्शक श्रेयांश जैन ने कहा कि आचार्यश्री जन-जन की आस्था के केंद्र हैं। इनकी प्रेरणा से हजारों गोवंश की रक्षार्थ दयोदय गोशालाएं संचालित हो रही हैं। मीडिया प्रभारी अखलेश समैया और एड. रश्मि ऋतु जैन ने मंच का संचालन किया। अनिल अवस्थी, नितिन सोनी संगठन मंत्री, सावंत जी, सुनील जैन, आनंद अहिरवार, कैलाश सिंघई, राकेश जैन, सुदीप जैन, चंपक भाई, अनिल नैनधरा, अजय लंबरदार, राजकुमार सतभैया, प्रफुल्ल हल्वे, कैलाश तिवारी, हीरालाल जैन, कमलेन्द्र जैन, कैलाश सिंघई, महेश जैन, फॉदर पौल, दिनेश जैन, महेश इंजीनियर, सुरेन्द्र सुहाने, अशोक पिड़रूआ, मलिन जैन, अभय जैन, विनीत तालेवाले, डॉ. स्वेता नेमा, विनीता जैन, संदीप जैन बहेरिया, नीरज सेठ ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर सागर जैन संस्था संस्थापक आदेश जैन, सुभाष जैन खाद, विजय जैन सरकार, राखी बहेरिया, मोनू जैन, राजीव महावीर, संदीप बहेरिया, अमिताभ सिंघई, प्रदीप बिलहरा, सुदीप जैन, अशोक पिड़रूआ, आशा सेठ, अंजू सेठ, मंजू सतभैया, प्रीति जैन, सरिता जैन, मनोज जैन, रजनी जैन, ज्योति सराफ, नीपा दिवाकर, अर्चना खाद, आदि सभी ने विनयांजलि प्रेषित की।

विचार समिति ने हर्ष और उल्लास के साथ मनाया 1100 स्थानों पर 75वां गणतंत्र दिवस

विचार समिति ने 75 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर घर - घर झंडावंदन थीम पर 1100 स्थानों पर विचार मोहल्ला परिवारों, सहायकों के साथ बड़े हर्षो-उल्लास के साथ झंडावंदन किया गया। विचार समिति कार्यालय में मुख्य अतिथि सुरेंद्र जैन मालथौन, दीप्ति चंदेरिया, प्रीति मलैया, विनय मलैया उपस्थित रहे। मंच का संचालन अखिलेश समैया ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुरेंद्र मालथौन ने संविधान के निर्माता एवं स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया।

अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि हम लगातार पिछले 4 वर्षों से घर - घर झंडावंदन थीम पर 1100 से अधिक जगह झंडावंदन करते आ रहे है। झंडावंदन करने का उदेश्य हमारे बीच ऐसे बहुत से लोग होते है जिनके मन में तिरंगा फहराने की इच्छा होती है, पर वे नहीं कर पाते लेकिन समिति के माध्यम से उन सभी व्यक्तियों को झंडावंदन करने का मौका मिलता है।

समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि झंडावंदन की सामग्री समिति द्वारा जैसे- तिरंगा झंडा, डंडा, रस्सी आदि घर - घर पहुंचाये गए एवं झंडावंदन की पूरी जानकारी साझा की गई जैसे तिरंगे को सूर्योदय के पश्चात फहराया जाता है एवं सूर्यास्त से पूर्व इसे उतारना चाहिए। स्कूल चले अभियान अंतर्गत केंद्रों पर गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन में बच्चों को गणतंत्र दिवस के बारे में ऐतिहासिक तथ्यों

की जानकारी दी गई साथ ही शिक्षा के प्रति जागरूक किया। कविता, कहानी एवं नृत्य, नाटक, चित्रकला में भाग लेने के लिए बच्चों प्रोत्साहित किया गया।

इन समितियों ने किया झंडावंदन

विचार समिति मोहल्ला विकास योजना के समन्वयक, सहायक एवं सदस्य, एकनाथ अनुशिक्षण संस्थान, एकता समिति, जैन मिलन, अपराजित मददगार योद्धा समाज कल्याण समिति, बालक हिल व्यू, धर्म रक्षा संगठन, अखिल भारत वर्षीय महिला परिषद, वैश्य महासमिति, निताई प्ले स्कूल मनेसिया, मातृ छाया क्लीनिक, तनिष्क शोरूम, ग्राम मोठी, ग्राम सीहोरा, राहतगढ़, मकरोनिया, तिली गांव आदि जगह विचार समिति के माध्यम से झंडावंदन किया गया।

स्वच्छ भारत - स्वस्थ भारत विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

गणतंत्र दिवस के अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे।

विचार समिति एवं सिंघई दिलीप सौरभ फाउंडेशन की ओर से गणतंत्र दिवस के अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन नेकी की दीवार, कटरा बाजार में किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता की जानकारी देते हुये सिंघई दिलीप सौरभ फाउंडेशन अध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने कहा 75 वें गणतंत्र दिवस पर बच्चों के द्वारा स्वच्छ भारत - स्वस्थ भारत विषय पर चित्रकला के माध्यम से स्वच्छता पर संदेश देने का प्रयास किया। घर - घर तक यह सन्देश पहुंचे। यह अनोखा कार्यक्रम करने का उदेश्य कला के द्वारा स्वच्छता को बच्चे अपनी निजी जिंदगी में अपनायें, पतंग के आलावा कोकोनेट, डस्बिन आदि पर चित्रकला करवाई जाती है। विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि प्रतियोगिता में बच्चों को दो वर्गों में बांटा गया जिसमें - ए वर्ग 10 वर्ष से 17 वर्ष तक, बी वर्ग 18 वर्ष से ऊपर के बच्चों ने चित्रकला प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। उपयुक्त परीक्षणों के पश्चात् सभी बच्चों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरुस्कार के साथ सांत्वना पुरुस्कार दिए गये। उन्होनें सभी बच्चों को शुभकानाएं दी। इस अवसर पर विचार समिति मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने बच्चों को बताया कि साफ़-सुथरा वातावरण मनुष्य के मस्तिष्क को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है और साथ-साथ प्रगतिशील बनाता है। अगर कोई व्यक्तिगत स्तर पर अपने घर के आस-पास भी साफ़-सफाई रखता है तो वह व्यक्ति एक जागरूक नागरिक होने के साथ-साथ नैतिकता को भी दर्शाता है क्योंकि वह अपने साथ अन्य प्राणियों के हित के लिए भी अप्रत्यक्ष रूप से काम कर रहा है। चित्रकला प्रतियोगिता में नित्या, दर्शना, कृष्णा, श्रेया, स्वाति, तनु, मनु, मुस्कान, जया, पलक, मान्या, दिया, संदीप, साक्षी, अनुज, निकिता, सेजल, अनिरुद्ध, अनुश्री, अर्पणा एवं मनोज जैन, अनुराग विश्वकर्मा, उपस्थित रहे।

अपराजित मददगार योद्धा समाज कल्याण समिति द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

रक्तदान शिविर में 71 यूनिट रक्त दिया, जिला अस्पताल को भेंट किया।

अपराजित मददगार योद्धा समाज कल्याण समिति द्वारा अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें युवा वर्ग, मातृ शक्ति ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और 71 यूनिट का रक्तदान जिला अस्पताल को दिया। नरयावली से हिमांशु के नेतृत्व में 12 लोगों की टीम ने रक्तदान किया। टीआई नवीन जैन, राजकुमार जैन, अल्लू भैया, शैलेन्द्र सिंह ने पहली बार रक्तदान किया।

समिति के परम संरक्षक कपिल मलैया ने बताया कि कई बार मरीजों के शरीर में खून की मात्रा इतनी कम हो जाती है कि उन्हें किसी और व्यक्ति से ब्लड लेने की आवश्यकता पड़ जाती है। ऐसी ही इमरजेंसी स्थिति में खून की आपूर्ति के लिए लोगों को रक्तदान करने के लिए आगे आना चाहिए। इससे जरुरत मंद की मदद हो सकेगी।

समिति के अध्यक्ष विजय जैन सरकार ने बताया कि रक्तदान शिविर थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को रक्त देने के लिए लगाया गया। रक्तदान कर हम जहां एक ओर किसी की जान बचाते हैं वहीं दूसरी ओर इससे जबर्दस्त आत्म संतुष्टि मिलती है। कई लोग रक्तदान को लेकर फैली भ्रांतियों के कारण रक्तदान करने से कतराते हैं जबकि इससे कोई हानि नहीं होती बल्कि कई प्रकार लाभ होते हैं। अत: हम सभी को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए।

इस मौके पर सुदीप जैन, सोनू, संदीप जैन, रोम, साहिल, राहुल, कुलदीप, राहुल, लालू, बिट्टू, अमित, अंकित आदि मौजूद रहे।

महार रेजिमेंट ने समिति से 125 नीम के पौधे लिये, शहीदों की स्मृति में यह पौधे लगाए जाएंगे

महार रेजिमेंट के सैनिक विचार कार्यालय में नीम के पौधे लेते हुए।

महार रेजिमेंट के सैनिकों ने पूर्व सैनिकों की याद में नीम लगाओ - पर्यावरण बचाओं अभियान के अंतर्गत विचार समिति कार्यालय से 125 पौधें लिए, यह पौधे शहीद सैनिकों की स्मृति में महार रेजिमेंट परिसर में लगाए जायेगें । इन पौधों का रख-रखाव सैनिक स्वयं करेंगे। विचार समिति मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने जानकारी देते हुए कहा कि योजनान्तर्गत शहर के घर- घर नीम लगाओ - पर्यावरण बचाओ अभियान की जानकारी पहुंचाई जा रही है। पृथ्वी को हरा-भरा करने व लोगों में पौधारोपण के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से नीम के पौधा लगाएं। सभी लोग इस अभियान से जुड़ें।

जब से दुनिया शुरू हुई है, तभी से मनुष्य और प्रकृति के बीच गहरा रिश्ता रहा है। पेड़ों से पेट भरने के लिए फल-सब्ज़ियां और अनाज मिला। तन ढकने के लिए कपड़ा मिला। घर के लिए लकड़ी मिली। इनसे जीवनदायिनी ऑक्सीज़न मिलती है, जिसके बिना कोई एक पल भी जीवित नहीं रह सकता। इनसे औषधियां मिलती हैं। पेड़ इंसान की ज़रूरत हैं, उसके जीवन का आधार हैं। सभी ने पर्यावरण संरक्षण पर ज़ोर दिया है। भारतीय समाज में आदिकाल से ही पर्यावरण संरक्षण को महत्व दिया गया है। इसलिए सभी को कम से कम एक-एक पौधा जरूर लगाना चाहिए। बिना पेड़ पौधे के हमलोग जीवित नहीं रह सकते। विचार टीम ने सभी सैनिकों के लिए समिति द्वारा निर्मित गोमय उत्पादों से परिचित करवाया। सैनिकों ने इन उत्पादों को अनूठा बताया।

नीम का पौधा बहुत ही गुणकारी है - नीम के पेड़ के फायदे से देश-दुनिया के लोग बखूबी परिचित हैं। यही वजह है कि गांवों में तकरीबन हर घर आगे नीम का एक पेड़ अनिवार्य रूप से होता है। टूथ ब्रश और टूथ पेस्ट के बढ़ते प्रभाव के बीच गांव में भी आज भी ज्यादातर लोगों के सुबह की शुरुआत नीम के दातून से होती है। चिकित्सकों की मानें तो नीम का पेड़ ही एंटी बैक्टीरियल (बैक्टीरिया से लड़ने वाला) होता है।

इंटर्नशिप के माध्यम से तीन छात्राओं ने समय प्रबंधन, संगठन और संचार कौशल को सीखा

विचार समिति पिछले वर्षों से स्थानीय एवं अन्य महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों के छात्रों के लिए इंटर्नशिप के माध्यम से सामाजिक आवश्यकताओं, सामाजिक बदलाव के लिए युवाओं के विचार को समझना, व्यवहारिक रूप से कुशल बनाना, साथ ही कार्य स्थल पर विषय की बारीकियों को समझने का अवसर दे रही है। छात्रा अंकिता तोमर अपना अनुभव बताते हुए कहती है मैं अपने जीवन अनुभवों को साझा करने जा रही हूँ, हाल ही में मैंने स्नातक की पढ़ाई की और सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत एनजीओ, विचार समिति के साथ काम करने का मौका मिला। यह इंटरशिप न केवल मेरे लिए मूल्यवान कौशल और ज्ञान प्रदान करने का अवसर दिया, साथ ही मेरे भीतर एक गहरी प्रेरणा की भावना को जगाने, गरीबों के जीवन में एक बदलाव लाने का प्रयास करूँ। अपने व्यक्तिगत विकास, उन्नत संवाद कौशल और विचार समिति द्वारा प्रदान किए जाने वाले फील्डवर्क के माध्यम से जाना समझा।

मेरी स्नातक की पढ़ाई पूरी करना एक महत्वपूर्ण पक्ष था, लेकिन एक व्यावहारिक अनुभव के लिए, वंचितों के उत्थान में अपने सराहनीय कार्य के जाने वाली विचार समिति ने मेरा ध्यान खींचा। सकारात्मक प्रभाव मजबूती से डालने के साथ विचार समिति में कार्य समय के दौरान, विभिन्न कौशलों को विकसित करने और निखारने का अवसर मिला जो सामाजिक कार्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण हैं। प्रभावी संचार से लेकर समस्या-समाधान और टीम वर्क तक, मैंने सीखा। समुदायों के साथ काम करते समय आने वाली चुनौतियों से कैसे निपटना है। विचार समिति ने मुझे अपने कौशल को बढ़ाने और अपने दृष्टिकोण को व्यापक बनाने के लिए एक मंच प्रदान किया। सबसे अच्छा दूसरों के जीवन में बदलाव लाने और अधिक न्यायसंगत समाज बनाने के लिए प्रेरित हों और जितना हो सकें प्रयास करें।

मैं भूमिका तोमर हूं मुझे डीएवीवी इंदौर में बीए समाजशास्त्र की छात्रा के रूप में अपने समृद्ध अनुभव और विचार समिति एनजीओ में अपनी इंटर्नशिप को साझा करते हुए खुशी हो रही है। विविध प्रकार के अनुभवों, संभावनाओं की दुनिया को समझने का अवसर मिला। यहीं पर मुझे व्यक्तिगत विकास के प्रति अपनी क्षमताओं के बारे पता चला। मेरी इंटर्नशिप के सबसे प्रभावशाली पहलुओं में से एक विचार समिति का हिस्सा बनना था। मुझे इस मंच ने सामाजिक विचारधारा वाले व्यक्तियों के साथ जुड़ने, विचारों का आदान-प्रदान करने और सार्थक चर्चाओं में अवसर मिला। विचार समिति ने सामूहिक ज्ञान और समर्थन ने मेरे दृष्टिकोण को आकार देने और मेरे कौशल को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विभिन्न पृष्ठभूमि के विभिन्न लोगों के साथ बातचीत मेरे व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास में सहायक रही है। इन चर्चाओं ने मुझे मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की, मेरे दृटिकोण को व्यापक बनाया, और मुझे संचार, अनुकूलनशीलता और टीम वर्क करने में मदद की। सबसे संतोषजनक पहलुओं में से एक मेरे स्वयं के रचनात्मक कौशलों का पता लगाने का अवसर था। विभिन्न परियोजनाओं के लिए पोस्टर और टेम्पलेट डिज़ाइन करके, मैंने अपने कलात्मक कौशल को निखारा और दृश्य माध्यमों से खुद को अभिव्यक्त करने में ख़ुशी मिली। इस अनुभव ने, ना केवल मेरी रचनात्मकता को बढ़ाया बल्कि मुझे विस्तार और प्रभावी बनाया। मैं उन अनुभवों के लिए विचार समिति की आभारी हूं, जिन्होंने मेरे समग्र विकास में योगदान दिया है।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 09-02-2024

स्वदेशी मेला 25 फरवरी से 3 मार्च तक, देसी उत्पादों की प्रदर्शनी के साथ कुश्ती स्पर्धा भी होगी

मेले में आत्मनिर्भर भारत की दिखेगी झलक: रायपुर, ग्वालियर, भोपाल, इंदौर, मथुरा, दिल्ली आदि शहरों से स्वदेशी वस्तुओं के स्टॉल आएंगे, स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता

भास्कर संवाददाता | सागर

शहर में पहली बार स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला 25 फरवरी से 3 मार्च तक पीटीसी मैदान में लगेगा। मेले में ज्वेलरी, कपड़े, गृह सामग्री के स्टॉल के साथ बच्चों के झूले, हैण्डीक्राफ्ट, हैण्डलूम के स्टॉल के साथ कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा। इसमें रायपुर, बिलासपुर, ग्वालियर, भोपाल, इंदौर, मथुरा, दिल्ली आदि शहरों से स्वदेशी वस्तुओं के स्टॉल आएंगे। मेले का आयोजन स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन व स्वदेशी जागरण मंच द्वारा किया जा रहा है।

मेला के संयोजक एवं विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि मेला का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल के संदेश के साथ ही देसी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए लोगों को जागरूक करना है। स्वदेशी मेला जहां एक ओर लोगों का भारत के स्थानीय उत्पादों से परिचय कराता है, वहीं लघु व मध्यम उद्योगों को अवसर प्रदान करने का भी काम करता है। स्वदेशी मेले जैसा शायद ही कोई मंच है, जो लोक उत्पाद को इतना बड़ा बाजार उपलब्ध कराता है। इन आयोजनों में भारत की समृद्ध परंपरा की झलक देखने को मिलती है। मलैया ने बताया कि संस्कृति और परंपराओं की धरोहर तथा औद्योगिकीकरण की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ रहे सागर में स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा रहा है। सन् 1999 से देश में आयोजित हो रहे स्वदेशी मेलों की श्रृंखला में छत्तीसगढ़ व अन्य राज्यों के बाद सागर नगर में पहली बार यह आयोजन होने जा रहा है। स्वदेशी मेला भारतीय उद्यमियों के लिए नए व्यावसायिक अवसर उपलब्ध कराता है।

विगत 20 वर्षों में यह मेला भारतीय उत्पादकों, ग्रामीण, कुटीर, निजी, सहकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए लाभकारी व्यापार उपक्रम के रूप में उभरा है। स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन अपनी स्थापना के बाद से देशभर में आयोजित 328 से अधिक स्वदेशी मेलों में उद्यमिता विकास, व्यापार एवं उद्योग से जुड़े विषयों पर सेमिनार आयोजित करता आ रहा है। भारतीय उत्पादों में गुणवत्ता विकास और उन्हें बेहतर चयन की सुविधा प्रदान करने का यह उपक्रम है।

समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि मेले में कई उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इस दौरान कई तरह की प्रतियोगिताएं होंगी। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। समिति के मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने बताया कि यह मेला आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के सपनों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे स्थानीय उत्पादकों को साकार करने का अवसर मिलेगा।

स्वावलंबन कार्यकर्ता रविन्द्र ठाकुर ने बताया कि स्वदेशी मेला भारतीय उत्पादकों और उद्योगों को मजबूती प्रदान करता है। स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन अपने विभिन्न आयामों के तहत आरोग्य मेला, वनवासी मेला, विज्ञान मेला, ग्राम भारती, खादी ग्राम उद्योग मेला का सफल आयोजन पूरे देश में कर चुका है।

दैनिक भास्कर सागर 15-02-2024

स्वदेशी वस्तुओं से जुड़कर हम सब अपने देश को स्वावलंबी, सक्षम, समर्थ और स्वाभिमानी बना सकते हैं : सुनील देव

स्वदेशी मेला का हुआ पीटीसी ग्राउंड में भूमिपूजन

भास्कर संवाददाता | सागर

शहर में पहली बार स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन, स्वदेशी जागरण मंच द्वारा स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेला 25 फरवरी से 3 मार्च तक पीटीसी ग्राउंड में लगेगा। मेले का भूमि पूजन बुधवार शाम किया गया।

इस अवसर पर आरएसएस के सामाजिक समरसता प्रमुख सुनील देव ने कहा कि हमारे देश का उत्थान हमें ही करना है। ऐसा भाव जागृत करने के लिए इस स्वदेशी मेला का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन से जुड़कर आप सभी सुझाव दें ताकि हम सब मिलकर अपने भारत को

स्वावलंबी, सक्षम, समर्थ और स्वाभिमानी बना सकें।

मुख्य अतिथि महापौर संगीता सुशील तिवारी, विशिष्ट अतिथि विभाग संघ चालक डॉ. गौरीशंकर चौबे एवं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शैलेष केशरवानी ने भी विचार व्यक्त किए।

स्वावलंबी अभियान के टोली सदस्य अखिलेश समैया ने बताया कि 16 जनवरी को शाम 4 बजे हनुमान चालीसा का पाठ, 21 फरवरी को भक्तामर स्तोत्र और 23 फरवरी को सुंदरकांड का आयोजन मेला स्थल पीटीसी ग्राउंड पर किया जावेगा। सुनीता अरिहंत ने बताया कि देश को स्वावलंबी बनाने की ओर एक नया कदम उठाते हुए स्वदेशी मेला का आयोजन सागर नगर में किया जा रहा है। नितिन पटैरिया ने कहा कि मेले द्वारा स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने और विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करने हेतु लोगों के लिए प्रेरित किया जावेगा। सह संयोजक सुनील सागर और अंजली दुबे ने कहा कि 25 फरवरी से 3 मार्च तक दोपहर 2 बजे से रात 10:30 बजे तक स्वदेशी मेला लगेगा। सौरभ रांधेलिया ने बताया कि स्वदेशी मेला में स्वदेशी वस्तुओं के कई स्टाल लगाए जाएंगे।

सिद्धार्थ शुक्ला ने बताया कि मेले में संत वाणी संगीतिक संध्या, बुंदेली लोक गायन, बधाई नृत्य एवं लोक गायन का आयोजन किया जाएगा।

प्रतियोगिता प्रभारी सुष्मिता ठाकुर ने बताया कि मेले में शिशु वेशभूषा, चित्रकला, रंग भरो, क्राफ्ट, बुंदेली व्यंजन, मेंहदी, रंगोली प्रतियोगिता भी होंगी। भारतीय शैली कुश्ती संघ के प्रदेश सहसचिव कौशल सोनी पहलवान ने बताया कि मेले में दो दिवसीय कुश्ती प्रतियोगिता भी होगी। इस मौके पर विनय मलैया, करण श्रीवास्तव, श्रीयांश जैन, नवीन सोनी, हिमांशु दुबे, सुभाष कंडया, शिव अग्रवाल, डॉ. श्वेता नेमा, रविन्द्र ठाकुर, शशांक ठाकुर, शिवम राय, कैलाश तिवारी, संजय धामेचा, नरेश यादव, अनिल जैन पड़ा, निशांत पांडे, राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापति आदि मौजूद रहे।

स्वदेशी मेला से जुड़कर हम सब अपने भारत को स्वावलंबी, सक्षम, समर्थ और स्वाभिमानी बना सकते हैं : सुनील देव

स्वदेशी मेला का हुआ पीटीसी ग्राउंड में भूमिपूजन

दबंग बुंदेलखंड

सागर। शहर में पहली बार स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन, स्वदेशी जागरण मंच द्वारा स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला 25 फरवरी से 3 मार्च तक पीटीसी ग्राउंड में लगेगा। इस मेले का भूमि पूजन कार्यक्रम 14 फरवरी बुधवार को शाम 4:00 बजे हुआ।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि सुनील देव (क्षेत्र के सामाजिक समरसता प्रमुख राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ) ने कहा कि हमारे देश का उत्थान हमें ही करना है। ऐसा भाव जागृत करने के लिए इस स्वदेशी मेला का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन से जुड़कर आप सभी सुझाव दें ताकि हम सब मिलकर अपने भारत को स्वावलंबी, सक्षम, समर्थ और स्वाभिमानी बना सकें। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संगीता सुशील तिवारी महापौर, विशिष्ट अतिथि डॉ. गौरीशंकर चौबे विभाग संघ चालक, सुनील देव (क्षेत्र के सामाजिक समरसता प्रमुख राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ), शैलेष केशरवानी प्रदेश कार्यसमिति उपस्थित हुए। स्वावलंबी अभियान के टोली सदस्य अखिलेश समैया ने बताया कि भूमि पूजन के पश्चात 16 जनवरी को शाम 4:00 बजे हनुमान चालीसा का पाठ, 21 फरवरी को भक्तामर स्तोत्र और 23 फरवरी को सुंदरकांड का आयोजन मेला स्थल पीटीसी ग्राउंड पर किया जावेगा। सुनीता अरिहंत ने बताया कि भारत देश को स्वावलंबी बनाने की ओर एक नया कदम उठाते हुए स्वदेशी मेला का आयोजन सागर नगर में किया जा रहा है। नितिन पटैरिया ने कहा कि मेले द्वारा स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने और विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करने हेतु लोगों के लिए प्रेरित किया जावेगा। सह संयोजक सुनील सागर और अंजली दुबे ने कहा कि 25 फरवरी से 3 मार्च तक दोपहर 2:00 बजे से रात 10:30 बजे तक स्वदेशी मेला लगेगा। सौरभ रांधेलिया ने बताया कि स्वदेशी मेला में स्वदेशी वस्तुओं के कई स्टाल लगाए जाएंगे जहां पर सागर जिले के लोग आकर स्वदेशी वस्तुओं का क्रय कर पाएंगे। सिद्धार्थ शुक्ला ने बताया कि मेले में संत वाणी संगीतिक संध्या, बुंदेली लोक गायन, बधाई नृत्य, प्रादेशिक लोक संगीत एवं नृत्य, सांस्कृतिक संध्या एवं लोक गायन का आयोजन किया जाएगा। मेले की प्रतियोगिता प्रभारी सुष्मिता ठाकुर ने बताया कि मेले में शिशु वेशभूषा, चित्रकला, रंग भरो, क्राफ्ट, बुंदेली व्यंजन, मेंहदी, रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। भारतीय शैली कुश्ती संघ के प्रदेश सहसचिव कौशल सोनी पहलवान ने बताया कि स्वदेशी मेले में दो दिवसीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। विनय मलैया, करण श्रीवास्तव, श्रीयांश जैन, नवीन सोनी, हिमांशु दुबे, सुभाष कंडया, शिव अग्रवाल, डॉ. श्वेता नेमा, रविन्द्र ठाकुर, शशांक ठाकुर, शिवम राय, कैलाश तिवारी, संजय धामेचा, नरेश यादव, अनिल जैन पड़ा, निशांत पांडे, राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापति, अभिषेक मशीह, आकांक्षा नामदेव, भाग्यश्री राय, ज्योति रैकवार, उमा पटैल, सोनू नामदेव, देवांशु विश्वकर्मा ने जिलेवासियों से मेले में शामिल होने और स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने की अपील की है।

स्वदेशी मेला का हुआ पीटीसी ग्राउंड में भूमिपूजन

स्वदेशी मेला का हुआ पीटीसी ग्राउंड में भूमिपूजन

मीडिया कवरेज

स्वदेशी मेला स्थल पीटीसी ग्राउंड में विनयांजलि सभा एवं भक्तामर पाठ का आयोजन

भास्कर संवाददाता | सागर

स्वदेशी मेला स्थल पीटीसी ग्राउंड में आचार्यश्री विद्यासागर महाराज के समता भाव से सल्लेखना पूर्वक समाधिस्थ हो जाने पर विनयांजलि सभा एवं भक्तामर पाठ का आयोजन किया गया।

स्वदेशी मेला के संयोजक एवं विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि आचार्य विद्यासागर महाराज केवल जैन समुदाय के ही नहीं बल्कि सर्व समुदाय के संत थे। आचार्यश्री ने अपना संपूर्ण जीवन अहिंसा, शाकाहार और मानवता के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। उनकी समाधि का समाचार सुनकर संपूर्ण जनमानस शोक में डूब गया। आचार्यश्री के द्वारा किए गए कल्याणकारी कार्य हमारी स्मृति में और आचार्यश्री हमारे हृदय में सदैव विराजमान रहेंगे।

मेला संरक्षक शैलेष केशरवानी ने कहा कि मैंने अपने जीवन में बहुत संत देखे लेकिन आचार्य विद्यासागर जैसा संत नहीं देखा। वे हम सबके संत थे। त्याग, तपस्या की मूर्ति थे। आचार्यश्री देशवासियों के हृदय और मन-मस्तिष्क में सदैव जीवंत रहेंगे। आचार्यश्री के संदेश हमें सदैव प्रेरित और आलोकित करते रहेंगे।

भाजपा के प्रदेश मंत्री प्रभुदयाल पटेल ने कहा कि आचार्य श्री के बताए हुए मार्ग पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। समाजसेवी गुलझारी लाल जैन ने कहा कि 1977 में वे मेरे घर रुके थे। मुझे कई बार आचार्यश्री की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। भाजपा

आचार्य विद्यासागर महाराज जैनों के ही नहीं बल्कि सर्व समुदाय के संत थे : कपिल मलैया

जिलाध्यक्ष गौरव सिरोठिया ने कहा कि मुझे दो वर्ष पूर्व आचार्यश्री का आशीर्वाद मिला था। आचार्यश्री ने पूरा जीवन भारत के लिए न्यौछावर कर दिया। भाजयुमो जिलाध्यक्ष यश अग्रवाल ने कहा कि आचार्यश्री ने स्वदेशी को बढ़ाने पर जोर दिया। कांग्रेस नेता गुड्डू राजा ने कहा कि हमारा परिवार आचार्यश्री से हमेशा जुड़ा रहा है। सूरज सोनी अध्यक्ष धर्म रक्षा संगठन ने कहा कि गुरुवर ने पूरे विश्व को प्रकाशमय किया। विनयांजलि सभा में समाजसेवी, इंदौर से आए अवनीश जैन, पूर्व विधायक तरवर सिंह लोधी, विचार समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया, मुख्य संयोजक नितिन पटैरिया मार्गदर्शक श्रेयांश जैन ने भी विचार व्यक्त किए।

मीडिया प्रभारी अखलेश समैया और एड. रश्मि ऋतु जैन ने संचालन किया। सभा में अनिल अवस्थी, नितिन सोनी, सुनील जैन, आनंद अहिरवार, कैलाश सिंघई, राकेश जैन, सुदीप जैन, चंपक भाई, अनिल नैनधरा, अजय लंबरदार, राजकुमार सतभैया, प्रफुल्ल हल्वे, कैलाश तिवारी, हीरालाल जैन, कमलेन्द्र जैन, कैलाश सिंघई, महेश जैन, फॉदर पॉल, दिनेश जैन, महेश इंजीनियर, सुरेन्द्र सुहाने, अशोक पिड़रूआ, मलिन जैन, अभय जैन, विनीत तालेवाले, डॉ. श्वेता नेमा, विनीता जैन, संदीप जैन बहेरिया, नीरज सेठ आदि मौजूद रहे।

युगों-युगों तक जाने जाएंगे आचार्यश्री विद्यासागर: मलैया

सागर| आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज के समता भाव से सल्लेखना पूर्वक समाधिस्थ में हो जाने पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का गुणगान करते हुए उनके प्रति विनयांजलि दी गई। विनयांजलि सभा का आयोजन सागर जैन संस्था पकोटा स्थित आईजीएस कम्प्यूटर में किया गया।

इस अवसर पर सागर जैन संस्था के संरक्षक कपिल मलैया ने कहा कि आचार्यश्री युगों-युगों तक जाने जाएंगे। जैनाचार्य की त्याग, तपस्या, वात्सल्य को याद किया जाएगा। संस्थापक आदेश जैन ने कहा कि आचार्यश्री आज भले ही हमारे बीच नहीं है। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही हम समाज व धर्म को आगे बढ़ा सकते हैं। महिला विंग की अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि आचार्यश्री जन-जन की आस्था के केंद्र हैं। इनकी प्रेरणा से हजारों गौवंश की स्वर्ग दयोदय गोशालाएं संचालित हो रही हैं। इस अवसर पर सुभाष जैन खाद, विजय जैन सराफ, राखी बहेरिया, मोनू जैन, राजीव महावीर, संदीप बहेरिया, अमिताभ सिंघई, प्रदीप बिलहरा, सुदीप सेठ, अशोक पिड़रूआ, आशा सेठ, अंजू सेठ, मंजू सतभैया, प्रीति जैन, सरिता जैन, मनोज जैन, रजनी जैन, ज्योति सराफ, नीता दिवाकर, अर्चना खाद, संध्या रांधेलिया, साक्षी शशि सराफ आदि सभी ने विनयांजलि दी।

5 प्रदेश टुडे सागर, शनिवार, 17 फरवरी 2024

स्वदेशी मेला के पहले पीटीसी ग्राउंड में हुआ हनुमान चालीसा का पाठ

सागर। स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन, स्वदेशी जागरण मंच द्वारा स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला 25 फरवरी से 3 मार्च तक पीटीसी ग्राउंड में लगेगा। 16 जनवरी गुरूवार को शाम 4:00 बजे हनुमान चालीसा का पाठ हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सूरज सोनी गौ रक्षा कमांडो फोर्स प्रदेश अध्यक्ष ने हनुमान जी से प्रार्थना की कि आप इस मेले में बिराजमान होकर स्वदेशी मेले को सफल बनायें। यह मेला सागर शहर में इतिहास प्रसिद्ध हो।

अर्पित पांडे प्रदेश सह संयोजक (सांस्कृतिक प्रकोष्ठ) ने कहा कि यह मेला सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं है बल्कि यह स्वदेशी और देश प्रेम की भावना को जागृत करने का प्रयास है। यहां पर जाति और धर्म से परे सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास तथा वोकल फॉर लोकल पर आधारित मेला है। इस अवसर पर कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का गोमय माला एवं श्रीयंत्र भेंटकर सुनीता अरिहंत ने सम्मान किया। इस अवसर पर सौरभ रांधेलिया, अखलेश समैया, श्रेयांश जैन, रविन्द्र ठाकुर, डा. सौरभ भारिल्ल, पुरूषोत्तम मुनिरथिनम, ममता अहिरवार, सरिता गुरू, दीप्ती कुशवाहा, रचना पटैल, प्रीति केशरवानी, राहुल अहिरवार, माधव यादव, अरविंद अहिरवार, पूजा प्रजापति, भाग्यश्री राय, उमा पटैल, नवीन सोनी, सोनू नामदेव आदि उपस्थित थे।

फरवरी 2024 राष्ट्रीय हिन्दी मेल

स्वदेशी मेला से जुड़कर हम सब अपने भारत को स्वावलंबी, सक्षम, समर्थ और स्वाभिमानी बना सकते हैं: सुनील देव

स्वदेशी मेला का हुआ पीटीसी ग्राउंड में भूमिपूजन

सागर। शहर में पहली बार स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन, स्वदेशी जागरण मंच द्वारा स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला 25 फरवरी से 3 मार्च तक पीटीसी ग्राउंड में लगेगा। इस मेले का भूमि पूजन कार्यक्रम 14 फरवरी बुधवार को शाम 4:00 बजे हुआ। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि सुनील देव (क्षेत्र के सामाजिक समरसता प्रमुख राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ) ने कहा कि हमारे देश का उत्थान हमें ही करना है। ऐसा भाव जागृत करने के लिए इस स्वदेशी मेला का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन से जुड़कर आप सभी सुझाव दें ताकि हम सब मिलकर अपने भारत को स्वावलंबी, सक्षम, समर्थ और स्वाभिमानी बना सकें।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संगीता सुशील तिवारी महापौर, विशिष्ट अतिथि डॉ. गौरीशंकर चौबे विभाग संघ चालक, सुनील देव (क्षेत्र के सामाजिक समरसता प्रमुख राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ), शैलष केशरवानी प्रदेश कार्यसमिति उपस्थित हुए। स्वावलंबी अभियान के टोली सदस्य अखिलेश समैया ने बताया कि भूमि पूजन के पश्चात 16 जनवरी को शाम 4:00 बजे हनुमान चालीसा का पाठ, 21 फरवरी को भक्तामर स्रोत और 23 फरवरी को सुंदरकांड का आयोजन मेला स्थल पीटीसी ग्राउंड पर किया जावेगा।

शगुन... स्वदेशी मेला के पहले पीटीसी ग्राउंड में हुआ हनुमान चालीसा का पाठ

सागर| स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन, स्वदेशी जागरण मंच द्वारा स्वदेशी मेले का आयोजन 25 फरवरी से 3 मार्च तक पीटीसी ग्राउंड में किया जाएगा। शुक्रवार 16 जनवरी को शाम 4 बजे हनुमान चालीसा का पाठ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गौ रक्षा कमांडो फोर्स प्रदेश अध्यक्ष सूरज सोनी ने हनुमान जी से प्रार्थना की कि आप इस मेले में विराजमान होकर स्वदेशी मेले को सफल बनाएं। भाजपा के प्रदेश सह संयोजक सांस्कृतिक प्रकोष्ठ अर्पित पांडे ने कहा कि यह मेला सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं है बल्कि यह स्वदेशी और देश प्रेम की भावना को जागृत करने का प्रयास है। यह वोकल फॉर लोकल पर आधारित मेला है। कार्यक्रम में आए अतिथियों का गोमय माला एवं श्रीयंत्र भेंटकर सुनीता अरिहंत ने सम्मान किया। इस अवसर पर सौरभ रांधेलिया, अखिलेश समैया, श्रेयांश जैन, रविन्द्र ठाकुर, डा. सौरभ भारिल्ल, पुरुषोत्तम मुनिरथिनम, ममता अहिरवार, सरिता गुरू, दीप्ती कुशवाहा, रचना पटैल, प्रीति केशरवानी, राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापति, भाग्यश्री राय, उमा पटैल नवीन सोनी, अरविंद अहिरवार आदि उपस्थित थे।

स्वदेशी मेला में 200 से अधिक स्वदेशी स्टॉल लगेंगे: कपिल मलैया

सागर दिनकर

सागर। स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन, स्वदेशी जागरण मंच के तत्वधान में आयोजित होने जा रहे स्वदेशी मेला की तैयारी को लेकर मेला स्थल पीटीसी ग्राउंड पर बैठक आयोजित की गई। जिसमें मेला संयोजक, समाजसेवी कपिल मलैया, मेला संरक्षक भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य शैलेश केसरवानी, युवा समाजसेवी मेला सह संयोजक रिशांक तिवारी एवं अनिल अवस्थी सहित अन्य पदाधिकारी और टोली के सदस्य ने मेले की तैयारियों को लेकर बैठक में चर्चा की। इस अवसर पर मेला संयोजक कपिल मलैया ने बताया कि स्वदेशी मेला में शहरवासियों को स्वदेशी व्यंजनों का स्वाद स्वदेशी परंपरा अनुसार मिलेगा और हमारी संस्कृति मेला के माध्यम से परिलक्षित होगी। मेले में स्वदेशी कपड़े स्वदेशी वस्तुएं सहित 200 से अधिक स्वदेशी स्टॉल लगाए जा रहे हैं। जहां अलग-अलग राज्यों के लोग स्टॉल लगाएंगे।

भोपाल, शुक्रवार, 23 फरवरी 2024 राष्ट्रीय हिन्दी मेल

स्वदेशी मेला में 200 से अधिक स्वदेशी स्टॉल लगेंगे: कपिल मलैया

स्वदेशी मेला की तैयारी को लेकर हुई बैठक

सागर। स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन, स्वदेशी जागरण मंच के तत्वधान में आयोजित होने जा रहे स्वदेशी मेला की तैयारी को लेकर मेला स्थल पीटीसी ग्राउंड पर बैठक आयोजित की गई जिसमें मेला संयोजक, समाजसेवी कपिल मलैया, मेला संरक्षक भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य शैलेश केसरवानी, युवा समाजसेवी मेला सह संयोजक रिशांक तिवारी एवं अनिल अवस्थी सहित अन्य पदाधिकारी और टोली के सदस्य ने मेले की तैयारियों को लेकर बैठक में चर्चा की। इस अवसर पर मेला संयोजक कपिल मलैया ने बताया कि स्वदेशी मेला में शहरवासियों को स्वदेशी व्यंजनों का स्वाद स्वदेशी परंपरा अनुसा[र] मिलेगा और हमारी संस्कृति मेला के माध्यम से परिलक्षि[त] होगी। मेले में स्वदेशी कपड़े स्वदेशी वस्तुएं सहित 20[0] से अधिक स्वदेशी स्टॉल लगाए जा रहे हैं जहां अलग-अलग राज्यों के लोग स्टॉल लगाएंगे।

शैलेश केसरवानी ने बताया कि स्वदेशी उत्पादों को लेकर शहरवासियों में काफी उत्सुकता देखी जा रही है हम सभी के लिए गौरव की बात है कि मध्यप्रदेश में इस मेले का आयोजन सागर में हो रहा है। हमें अपनी मेहनत और लगन से इस मेले को सफल बनाना है और देश को स्वदेशी बनाने की दिशा में अपना योगदान देना है। सभी शहर वासियों से आग्रह है अधिक से अधिक संख्या में परिवार सहित मेला में पधारकर स्वदेशी वस्तुएं अपनाएं टोली के सदस्य अखिलेश समैया ने बताया कि मेले में 19 राज्यों के लगभग 200 से अधिक स्टॉल लग रहे हैं जहां दैनिक उपयोग के अलावा सजावट की वस्तुएं भी मिलेंगी।

मीडिया कवरेज

स्वदेशी मेला में अलग-अलग राज्यों के 200 से अधिक लोग स्टॉल लगाएंगे, व्यंजन भी स्वदेशी रहेंगे : कपिल मलैया

भास्कर संवाददाता | सागर

स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन, स्वदेशी जागरण मंच के तत्वाधान में 25 फरवरी से आयोजित होने जा रहे स्वदेशी मेला की तैयारी चल रही है। गुरुवार को मेला स्थल पीटीसी मैदान पर बैठक आयोजित की गई। जिसमें मेला संयोजक व समाजसेवी कपिल मलैया ने अन्य पदाधिकारी और टोली के सदस्यों के साथ मेले की तैयारियों को जायजा लिया।

मेला संयोजक कपिल मलैया ने बताया कि स्वदेशी मेला में शहरवासियों को स्वदेशी व्यंजनों का स्वाद, स्वदेशी परंपरा के अनुसार मिलेगा। हमारी संस्कृति मेला के माध्यम से परिलक्षित होगी। मेले में स्वदेशी कपड़े, स्वदेशी वस्तुएं सहित 200 से अधिक स्वदेशी स्टॉल लगाए जा रहे हैं। अलग-अलग राज्यों के लोग स्टॉल लगाएंगे।

मेला संरक्षक शैलेष केशरवानी ने बताया कि स्वदेशी उत्पादों को लेकर शहरवासियों में काफी उत्सुकता देखी जा रही है। हम सभी के लिए गौरव की बात है कि मध्यप्रदेश में इस मेले का आयोजन सागर में हो रहा है। टोली के सदस्य अखिलेश समैया ने बताया कि मेले में कई राज्यों से कलाकार आएंगे। स्टॉल में दैनिक उपयोग के अलावा सजावट की वस्तुएं भी मिलेंगी। मेले में हर दिन सुबह बच्चों-महिलाओं के लिए रोचक, सांस्कृति व ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता होगी, जबकि दोपहर में विभिन्न भारतीय संस्कारों पर आधारित गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। प्रतिदिन सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बुंदेली सहित विभिन्न प्रदेशों के लोकनृत्य शामिल हैं। इस अवसर पर मेला सह संयोजक रिशांक तिवारी एवं अनिल अवस्थी, नितिन सोनी, सावंत जी, माधव यादव, हिमांशु, पूजा प्रजापति, ज्योति रैकवार, आकांक्षा नामदेव, सोनू नामदेव आदि मौजूद थे।

स्वदेशी मेला में दिखेगी आत्म निर्भरता की झलक : कपिल मलैया

शहर में पहली बार स्वदेशी मेला का आयोजन 25 फरवरी से 3 मार्च तक

दबंग बुंदेलखंड

सागर। शहर में पहली बार स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन, स्वदेशी जागरण मंच द्वारा स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला 25 फरवरी से 3 मार्च तक पीटीसी ग्राउंड में लगेगा। मेला के संयोजक एवं विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि मेला का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल के संदेश के साथ ही देशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी मेला जहां एक ओर लोगों का भारत के स्थानीय उत्पादों से परिचय कराता है, वहीं लघु व मध्यम उद्योगों को अवसर प्रदान करने का भी काम करता है। स्वदेशी मेले जैसा शायद ही कोई मंच है, जो लोक उत्पाद को इतना बड़ा बाजार उपलब्ध कराता है। इन आयोजनों में भारत की समृद्ध परंपरा की झलक देखने को मिलती है। श्री मलैया ने बताया कि संस्कृति और परंपराओं की धरोहर तथा औद्योगिकीकरण की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ रहे सागर में स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा रहा है। सन 1999 से देश में आयोजित हो रहे स्वदेशी मेलों की श्रृंखला में छत्तीसगढ़ आदि राज्यों के पश्चात अब सागर नगर को पहली बार आयोजन की सौगात मिली है। स्वदेशी मेला भारतीय उद्यमियों के लिए नए व्यावसायिक अवसर उपलब्ध कराता है। विगत 20 वर्षों में यह मेला भारतीय उत्पादकों, ग्रामीण, कुटीर, निजी, सहकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए लाभकारी व्यापार उपक्रम के रूप में उभरा है। स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन अपनी स्थापना के बाद से देश भर में आयोजित 328 से अधिक स्वदेशी मेलों में उद्यमिता विकास, व्यापार एवं उद्योग से जुड़े विषयों पर सेमिनार आयोजित करता आ रहा है। भारतीय उत्पादों में गुणवत्ता विकास और उन्हें बेहतर चयन की सुविधा प्रदान करने का यह उपक्रम है। समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि मेले में कई उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जायेगी। इस दौरान कई तरह ही प्रतियोगितायें भी होंगी साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे। मेले में ज्वेलरी, कपड़े, गृह सामग्री, बच्चों के झूले, हैण्डीक्राफ्ट एवं हैण्डलूम, कुश्ती प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जाएगा। समिति के मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने बताया कि यह मेला आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के सपनों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे स्थानीय उत्पादकों को साकार करने का अवसर मिलेगा। स्वावलंबन कार्यकर्ता रविन्द्र ठाकुर ने बताया कि स्वदेशी मेला भारतीय उत्पादकों और उद्योगों को मजबूती प्रदान करता है। स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन अपने विभिन्न आयामों के अंतर्गत आरोग्य मेला, वनवासी मेला, विज्ञान मेला, ग्राम भारती खादी ग्राम उद्योग मेला का सफल आयोजन पूरे देश भर में कर चुका है।

स्वदेशी मेला में दिखेगी आत्मनिर्भरता की झलक : कपिल मलैया

शहर में पहली बार स्वदेशी मेला का आयोजन 25 फरवरी से 3 मार्च तक

सागर। शहर में पहली बार स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन, स्वदेशी जागरण मंच द्वारा स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला 25 फरवरी से 3 मार्च तक पीटीसी ग्राउंड में लगेगा।

मेला के संयोजक एवं विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि मेला का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के वोकल फ़ॉर लोकल के संदेश के साथ ही देशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी मेला जहां एक ओर लोगों का भारत के स्थानीय उत्पादों से परिचय कराता है, वहीं लघु व मध्यम उद्योगों को अवसर प्रदान करने का भी काम करता है।

स्वदेशी मेले जैसा शायद ही कोई मंच है, जो लोक उत्पाद को इतना बड़ा बाजार उपलब्ध कराता है। इन आयोजनों में भारत की समृद्ध परंपरा की झलक देखने को मिलती है। श्री मलैया ने बताया कि संस्कृति और परंपराओं की धरोहर तथा औद्योगिकीकरण की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ रहे सागर में स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा रहा है। सन 1999 से देश में आयोजित हो रहे स्वदेशी मेलों की श्रृंखला में छत्तीसगढ़ आदि राज्यों के पश्चात अब सागर नगर को पहली बार आयोजन की सौगात मिली है।

स्वदेशी मेला भारतीय उद्यमियों के लिए नए व्यावसायिक अवसर उपलब्ध कराता है। विगत 20 वर्षों में यह मेला भारतीय उत्पादकों, ग्रामीण, कुटीर, निजी, सहकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए लाभकारी व्यापार उपक्रम के रूप में उभरा है।

स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन अपनी स्थापना के बाद से देश भर में आयोजित 328 से अधिक स्वदेशी मेलों में उद्यमिता विकास, व्यापार एवं उद्योग से जुड़े विषयों पर सेमिनार आयोजित करता आ रहा है। भारतीय उत्पादों में गुणवत्ता विकास और उन्हें बेहतर चयन की सुविधा प्रदान करने का यह उपक्रम है।

स्वदेशी मेला का आज होगा पीटीसी ग्राउंड में भूमिपूजन

सागर | शहर में पहली बार स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन, स्वदेशी जागरण मंच द्वारा स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला 25 फरवरी से 3 मार्च तक पीटीसी ग्राउंड में लगेगा। मेले का भूमि पूजन 14 फरवरी को शाम 4 बजे होगा। जिसमें मुख्य अतिथि महापौर संगीता सुशील तिवारी, विशिष्ट अतिथि विभाग संघ चालक डॉ. गौरीशंकर चौबे, सुनील देव व भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शैलेष केशरवानी उपस्थित रहेंगे। अभियान के टोली सदस्य अखिलेश समैया ने लोगों से मेले में पहुंचकर स्वदेशी का लाभ लेने की अपील की है।

स्वदेशी मेला की तैयारी को लेकर बैठक का आयोजन किया गया

स्वदेशी मेला में 200 से अधिक स्वदेशी स्टॉल लगेंगे: कपिल मलैया

हरिभूमि न्यूज >> सागर

स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन, स्वदेशी जागरण मंच के तत्वाधान में आयोजित होने जा रहे स्वदेशी मेला की तैयारी को लेकर मेला स्थल पीटीसी ग्राउंड पर बैठक आयोजित की गई जिसमें मेला संयोजक, समाजसेवी कपिल मलैया, मेला संरक्षक भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य शैलेश केशरवानी, युवा समाजसेवी मेला सह संयोजक रिशांक तिवारी एवं अनिल अवस्थी सहित अन्य पदाधिकारी और टोली के सदस्य ने मेले की तैयारियों को लेकर बैठक में चर्चा की इस अवसर पर मेला संयोजक कपिल मलैया ने बताया कि स्वदेशी मेला में शहरवासियों को स्वदेशी व्यंजनों का स्वाद स्वदेशी परंपरा अनुसार मिलेगा और हमारी संस्कृति मेला के माध्यम से परिलक्षित होगी। मेले में स्वदेशी कपड़े स्वदेशी वस्तुएं सहित 200 से अधिक स्वदेशी स्टॉल लगाए जा रहे हैं जहां अलग-अलग राज्यों के लोग स्टॉल लगाएंगे।

शैलेश केशरवानी ने बताया कि स्वदेशी उत्पादों को लेकर शहरवासियों में काफी उत्सुकता देखी जा रही है। हम सभी के लिए गौरव की बात है कि मध्यप्रदेश में इस मेले का आयोजन सागर में हो रहा है। हमें अपनी मेहनत और लगन से इस मेले को सफल बनाना है और देश को स्वदेशी बनाने की दिशा में अपना योगदान देना है। सभी शहर वासियों से आग्रह है अधिक से अधिक संख्या में परिवार सहित मेला में पधारकर स्वदेशी वस्तुएं अपनाएं।

टोली के सदस्य अखिलेश समैया ने बताया कि मेले में 19 राज्यों के लगभग 200 से अधिक स्टॉल लग रहे हैं, जहां दैनिक उपयोग के अलावा सजावट की वस्तुएं भी मिलेंगी। मेले में हर दिन सुबह बच्चों-महिलाओं के लिए रोचक, सांस्कृति व ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता होगी, जबकि दोपहर में विभिन्न भारतीय संस्कारों पर आधारित गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। प्रतिदिन सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बुंदेली सहित विभिन्न प्रदेशों के लोकनृत्य शामिल हैं।

इस अवसर पर अनिल अवस्थी, नितिन सोनी संगठन मंत्री, माधव यादव, हिमांशु, पूजा प्रजापति, ज्योति रैकवार, आकांक्षा नामदेव, सोनू नामदेव आदि उपस्थित थे।

मीडिया कवरेज

पीटीसी मैदान में हुआ सुंदरकाण्ड पाठ, 25 फरवरी से होगा स्वदेशी मेला का शुभारंभ

स्वदेशी मेला में बच्चों के लिए झूले एवं महिलाओं के लिए पारंपरिक परिधान की व्यवस्था रहेगी : कपिल

भास्कर संवाददाता | सागर

पीटीसी मैदान में 25 फरवरी से 8 दिवसीय स्वदेशी मेला का आयोजन स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन, स्वदेशी जागरण मंच के तत्वाधान में होगा। मेला स्थल पर शुक्रवार को भक्तिमय वातावरण में सुंदरकाण्ड पाठ किया गया। पाठ में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस अवसर पर हनुमान जी की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। सुंदरकाण्ड पाठ भैरवनाथ मंदिर टीम व राधे यादव टीम द्वारा किया गया।

विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं को हमें अपने जीवन में अपनाना होगा। स्वदेशी मेला 300 से अधिक शहरों में लग चुका है, परंतु पहले कभी मप्र में नहीं लगा। यह सागर के लिए गौरव की बात है कि स्वदेशी मेला इस बार राज्य में पहली बार नगर में लग रहा है। इससे स्वदेशी वस्तुओं के बारे में जानकारी मिलेगी और उसे लोग अपना सकेंगे। मेला संयोजक कपिल मलैया ने कहा कि मेले में गौ माता के गोबर से बने उत्पाद एवं हथकरघा से निर्मित कपड़े आदि के स्टॉल लगेंगे। स्टार्टअप करने वाले युवाओं को भी मेले में अवसर प्रदान किया गया है। मेले में ज्वेलरी, कपड़े, घरेलू सामग्री के स्टॉल, परंपरागत भारतीय व्यंजन, बच्चों के लिए बड़े झूले, महिलाओं के लिए पारंपरिक परिधान, विभिन्न वस्तुओं के स्टॉल, हैण्डीक्राफ्ट एवं हैण्डलूम, कुश्ती प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम मुख्य आकर्षण होंगे।

मेला संरक्षक शैलेश केशरवानी ने बताया कि प्रधानमंत्री का संदेश है कि स्वदेशी वस्तुओं का अधिक से अधिक उपयोग हो जिससे भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बन सके। आप सभी शहर वासियों से आग्रह है अधिक से अधिक संख्या में मेले में शामिल होकर स्वदेशी वस्तुओं को आगे बढ़ाएं। मेला सह संयोजक रिशांक तिवारी ने कहा कि जितना हम विदेशी वस्तुओं का प्रयोग करेंगे उतना ही भारत की अर्थव्यवस्था पर विपरीत असर पड़ेगा। इस मौके पर मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया, समाजसेवी विनय मलैया, सुनील सागर, सौरभ संधेलिया, सिद्धार्थ शुक्ला, सुष्मिता ठाकुर, विवेक सिंघई, नरेन्द्र साहू, अंजली दुबे, नितिन पटेरिया, सुनीता अरिहंत आदि मौजूद रहे।

भारत को विश्व गुरु बनाने में स्वदेशी वस्तुओं की महत्वपूर्ण और निर्णायक भूमिका रहेगी : राज्यमंत्री

शिरीष सिलाकारी | नवसिंधु समाचार

सागर। रविवार को स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन, स्वदेशी जागरण मंच के तत्वाधान में आयोजित आठ दिवसीय स्वदेशी मेला का शुभारंभ राज्य मंत्री धर्मेंद्र लोधी, विधायक शैलेंद्र जैन, मेला संयोजक समाजसेवी कपिल मलैया, मेला संरक्षक भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य शैलेश केशरवानी, मेला सहसंयोजक रिशांक तिवारी एवं अन्य अतिथियों द्वारा किया गया।

स्वदेशी मेला की शुरुआत सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन कर की गई। इसके पश्चात मेला प्रांगण में संतवाणी पं. बृजेश मिश्रा दिल्ली द्वारा भजन प्रस्तुति दी गई इसके साथ ही देश विदेश में प्रख्यात बाबा सत्यनारायण मौर्य एवं अन्य प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा देशभक्ति गीत एवं एक शाम देश के नाम जैसे गानों पर अपनी प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर राज्य मंत्री धर्मेंद्र लोधी ने कहा कि भारत को विश्व गुरु बनाने में स्वदेशी वस्तुओं की महत्वपूर्ण और निर्णायक भूमिका रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वोकल फॉर लोकल मिशन को चलाकर देश को एक नई दिशा प्रदान की है। उनकी इस मुहिम से स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने और अधिक से अधिक इसका उपयोग करने में इन मेलों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी क्योंकि कहीं ना कहीं एक स्थान पर स्वदेशी वस्तुओं की जानकारी मिल जाने से लोगों में जागरूकता बढ़ेगी और वह इसका उपयोग भी कर सकेंगे जिससे हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। मेले के माध्यम से लोगों तक स्वदेशी वस्तुओं का प्रचार प्रसार करना यह बहुत ही सराहनीय प्रयास है। आयोजकों की पूरी टीम को शुभकामनाएं देता हूं कि वह ऐसे ही कार्य करें और भारत के नवनिर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा कि स्वदेशी उद्योग आत्मनिर्भरता की नींव है। सरकार नए और उन्नत उद्योगों और तकनीक की स्थापना कर रही है। सरकार के साथ-साथ भारत जैसे प्रगतिशील देश के लोगों का भी कर्तव्य है कि वे भारत में बनी वस्तुएं खरीद कर देश की उन्नति और आत्मनिर्भरता में अपना योगदान दें। आजकल ऑनलाइन शॉपिंग का जमाना है। हर छोटी से छोटी चीज ऑनलाइन खरीदते वक्त हम ध्यान ही नहीं रखते कि ये वस्तुएं कहां बनी हैं। यह सही नहीं है। आज इस स्वदेशी मेले के माध्यम से आप सभी से आग्रह करता हूं। देश में बनी हुई चीजों का उपयोग करें जिससे भारत को स्वदेशी बनाने में आपका भी योगदान रहे।

मेला संयोजक, समाजसेवी कपिल मलैया ने बताया कि हमारे आठ दिवसीय स्वदेशी मेला का आयोजन हो चुका है जिसमें प्रतिदिन अनेकों कार्यक्रम किए जाएंगे। मेले में ज्वेलरी, कपड़े, घरेलू सामग्री के स्टॉल मुख्य आकर्षण के केंद्र होंगे। भारत के लघु उद्योग, कुटीर उद्योग, गृह उद्योग और छोटे व्यापारी के स्वदेशी उत्पादों को एक स्थान पर उपलब्ध कराने का यह एक प्रयास स्वदेशी मेला है, जो शहर में पहली बार आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने शहरवासी से अपील की है कि बढ़ी से बढ़ी संख्या में उपस्थित होकर मेले में अपनी सहभागिता निभाएं।

मेला संरक्षक शैलेश केशरवानी ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं के जो उत्पाद हम खरीदते हैं उसका बड़ा हिस्सा राष्ट्र निर्माण में लगता है। इससे देश को मजबूती मिलती है। स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए यह जरूरी है लोग स्वदेशी वस्तुओं का अधिक से अधिक उपयोग करें। स्वदेशी वस्तुओं को एक छोटा सा मंच देकर लोगों के प्रति जागरूक करने का प्रयास हम सभी के द्वारा किया गया है।

मेला सहसंयोजक रिशांक तिवारी ने कहा कि यदि कोई भी व्यक्ति स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करता है तो वह देश के विकास में योगदान देता है। किसी भी वस्तु की बिक्री बढ़ाने के लिए उसका प्रचार-प्रसार किया जाता है। स्वदेशी वस्तुओं की तरफ अभी लोगों का कम आकर्षण है। इसलिए इसका प्रचार-प्रसार जरूरी है।

मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने बताया कि मेला के उद्घाटन अवसर पर डॉ. गौरीशंकर चौबे विभाग संघ चालक, विनोद नेमा सह प्रांत कार्यवाह महाकौशल प्रांत राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, राजकुमारी शुक्ला प्रांत महिला प्रमुख स्वदेशी जागरण मंच, डॉ. विकास सिंह प्रांत सह संयोजक स्वदेशी जागरण मंच, आलोक सिंह चौहान प्रांत संयोजक स्वदेशी जागरण मंच, कैलाश जी दुर्गोलिया मध्यक्षेत्र संगठक स्वदेशी जागरण मंच, मध्यक्षेत्र समन्वयक स्वावलंबी भारत अभियान, डॉ. राघवेंद्र प्रताप सिंह पटेल अखिल भारतीय सह विचार प्रमुख स्वदेशी जागरण मंच, जितेन्द्र शुक्ला अखिल भारतीय सह समन्वयक स्वावलंबी भारत अभियान, सुधीर दांगी मध्यक्षेत्र संयोजक स्वदेशी जागरण मंच, सार्थक राठौर अखिल भारतीय सह मेला प्रमुख, सुनील देव क्षेत्र समन्वयक प्रमुख, धर्मेंद्र गुप्ता जिला समन्वयक स्वावलंबी भारत अभियान, भूपेन्द्र नायक प्रदेश मंत्री सहकार भारती, दीपक तिवारी विभाग संयोजक स्वदेशी जागरण मंच, रजनेश अग्रवाल, मयंक तिवारी, प्रतिभा चौबे, विनय मलैया, सुनील सागर, सौरभ संधेलिया, सिद्धार्थ शुक्ला, सुष्मिता ठाकुर, विवेक सिंघई, नरेंद्र साहू, अंजली दुबे, निलेश सोनी, कैलाश तिवारी, नितिन पटैरिया, सुनीता अरिहंत, श्रेयांश जैन, रविंद्र ठाकुर, नवीन सोनी आदि उपस्थित थे

स्वदेशी मेला की तैयारी को लेकर हुई बैठक

स्वदेशी मेला में 200 से अधिक स्वदेशी स्टॉल लगेंगे : मलैया

प्रदेश टुडे संवाददाता, सागर

स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन, स्वदेशी जागरण मंच के तत्वाधान में आयोजित होने जा रहे स्वदेशी मेला की तैयारी को लेकर मेला स्थल पीटीसी ग्राउंड पर बैठक आयोजित की गई जिसमें मेला संयोजक, समाजसेवी कपिल मलैया, मेला संरक्षक भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य शैलेश केसरवानी, युवा समाजसेवी मेला सह संयोजक रिशांक तिवारी एवं अनिल अवस्थी सहित अन्य पदाधिकारी और टोली के सदस्य ने मेले की तैयारियों को लेकर बैठक में चर्चा की।

इस अवसर पर मेला संयोजक कपिल मलैया ने बताया कि स्वदेशी मेला में शहरवासियों को स्वदेशी व्यंजनों का स्वाद स्वदेशी परंपरा अनुसार मिलेगा और हमारी संस्कृति मेला के माध्यम से परिलक्षित होगी। मेले में स्वदेशी कपड़े स्वदेशी वस्तुएं सहित 200 से अधिक स्वदेशी स्टॉल लगाए जा रहे हैं जहां अलग-अलग राज्यों के लोग स्टॉल लगाएंगे।

शैलेश केसरवानी ने बताया कि स्वदेशी उत्पादों को लेकर शहरवासियों में काफी उत्सुकता देखी जा रही है। हम सभी के लिए गौरव की बात है कि मध्यप्रदेश में इस मेले का आयोजन सागर में हो रहा है। हमें अपनी मेहनत और लगन से इस मेले को सफल बनाना है और देश को स्वदेशी बनाने की दिशा में अपना योगदान देना है। सभी शहर वासियों से आग्रह है अधिक से अधिक संख्या में परिवार सहित मेला में पधारकर स्वदेशी वस्तुएं अपनाएं।

टोली के सदस्य अखिलेश समैया ने बताया कि मेले में 19 राज्यों के लगभग 200 से अधिक स्टॉल लग रहे हैं, जहां दैनिक उपयोग के अलावा सजावट की वस्तुएं भी मिलेंगी। मेले में हर दिन सुबह बच्चों-महिलाओं के लिए रोचक, सांस्कृति व ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता होगी, जबकि दोपहर में विभिन्न भारतीय संस्कारों पर आधारित गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। प्रतिदिन सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बुंदेली सहित विभिन्न प्रदेशों के लोकनृत्य शामिल हैं। इस अवसर पर अनिल अवस्थी, नितिन सोनी संगठन मंत्री, सावंत जी, माधव यादव, हिमांशु, पूजा प्रजापति, ज्योति रैकवार, आकांक्षा नामदेव, सोनू नामदेव आदि उपस्थित थे।

स्वदेशी मेला में 200 से अधिक स्टॉल लगेंगे : कपिल मलैया

स्वतंत्र समय, सागर

स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन, स्वदेशी जागरण मंच के तत्वाधान में आयोजित होने जा रहे स्वदेशी मेला की तैयारी को लेकर मेला स्थल पीटीसी ग्राउंड पर बैठक आयोजित की गई जिसमें मेला संयोजक, समाजसेवी कपिल मलैया, मेला संरक्षक भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य शैलेश केसरवानी, युवा समाजसेवी मेला सह संयोजक रिशांक तिवारी एवं अनिल अवस्थी सहित अन्य पदाधिकारी और टोली के सदस्य ने मेले की तैयारियों को लेकर बैठक में चर्चा की। इस अवसर पर मेला संयोजक कपिल मलैया ने बताया कि स्वदेशी मेला में शहरवासियों को स्वदेशी व्यंजनों का स्वाद स्वदेशी परंपरा अनुसार मिलेगा और हमारी संस्कृति मेला के माध्यम से परिलक्षित होगी। मेले में स्वदेशी कपड़े स्वदेशी वस्तुएं सहित 200 से अधिक स्वदेशी स्टॉल लगाए जा रहे हैं जहां अलग-अलग राज्यों के लोग स्टॉल लगाएंगे। मेले में हर दिन सुबह बच्चों, महिलाओं के लिए रोचक, सांस्कृतिक व ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता होंगी जबकि दोपहर में विभिन्न भारतीय संस्कारों पर आधारित गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। प्रतिदिन सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बुंदेली सहित विभिन्न प्रदेशों के लोकनृत्य शामिल हैं। शैलेश केशरवानी ने कहा कि हम सभी के लिए गौरव की बात है कि मध्यप्रदेश में इस मेले का आयोजन सागर में हो रहा है। हमें अपनी मेहनत और लगन से इस मेले को सफल बनाना है और देश को स्वदेशी बनाने की दिशा में अपना योगदान देना है। इस अवसर पर अखिलेश समैया, अनिल अवस्थी, नितिन सोनी, माधव यादव, पूजा प्रजापति, ज्योति रैकवार, आकांक्षा नामदेव, सोनू नामदेव आदि उपस्थित थे।

मीडिया कवरेज

आज स्वदेशी मेला में होंगी बाबा सत्यनारायण मौर्य और ब्रजेश मिश्रा की प्रस्तुतियां : कपिल

मेले का उद्घाटन आज राज्यमंत्री लोधी करेंगे

सागर| मध्यप्रदेश में पहली बार भव्य स्तर पर 25 फरवरी से 8 दिवसीय स्वदेशी मेला का आयोजन होने जा रहा है। पीटीसी मैदान में स्वदेशी मेला का उद्घाटन रविवार शाम 5.30 बजे संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी करेंगे। मुख्य अतिथि विधायक शैलेंद्र जैन होंगे। अध्यक्षता महापौर संगीता सुशील तिवारी करेंगी।

मेला संयोजक एवं समाजसेवी कपिल मलैया ने बताया कि मेले में शुभारंभ समारोह के साथ ही भजन प्रस्तुति संत पं. ब्रजेश मिश्रा दिल्ली करेंगे व विश्वप्रसिद्ध कलाकार बाबा सत्यनारायण मौर्य एक शाम देश के नाम गीतों की भव्य प्रस्तुति देंगे। मलैया ने बताया कि उद्घाटन सत्र में ही देश प्रेम से ओतप्रोत प्रेरक कार्यक्रम होगा। उन्होंने बताया कि यह मेला संपूर्ण परिवार के लिहाज से उपयोगी और मनोरंजन का मेला है। स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए सबसे आसान और कारगर तरीका यही है कि रोजमर्रा की उपयोगी वस्तुओं में हम अधिक से अधिक स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करें और दूसरों को भी ऐसा ही करने के लिए प्रेरित करें। मेला सांस्कृतिक संयोजक सुष्मिता ठाकुर, सिद्धार्थ शुक्ला ने बताया कि मेले में आठों दिन विभिन्न सांस्कृतिक एवं रोचक गतिविधियां बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी वर्ग के लिए होने वाली है। 2 व 3 मार्च को बुंदेलखंड केसरी कुश्ती प्रतियोगिता होगी। टोली सदस्य सौरभ संघेलिया व नितिन पटैरिया ने बताया कि स्वदेशी वस्तुओं को खरीदने से होने वाले फायदे जनता तक पहुंचाना अति आवश्यक है। हम स्वयं इनको खरीदें एवं अन्य लोगों को भी जागरूक बनाएं। मेला संरक्षक शैलेष केशरवानी, विनय मलैया, अखिलेश समैया, नितिन सोनी, नैवी जैन, प्रतिभा चौबे, वीरेन्द्र मालथौन, कैलाश तिवारी आदि ने सभी शहर वासियों से आग्रह किया है कि अधिक से अधिक संख्या में मेले में शामिल होकर स्वदेशी वस्तुओं को आगे बढ़ाएं।

पीटीसी ग्राउंड में बाबा सत्यनारायण मौर्य मेला के पदाधिकारियों के साथ।

भारत को विश्व गुरु बनाने में स्वदेशी वस्तुओं की महत्वपूर्ण और निर्णायक भूमिका रहेगी : राज्यमंत्री

स्वदेशी मेला का पीटीसी ग्राउंड में हुआ भव्य शुभारंभ

वोकल फ़ॉर लोकल मिशन देश को एक नई दिशा प्रदान करेगा: राज्यमंत्री लोधी

स्वदेशी मेला का पीटीसी ग्राउंड में हुआ भव्य शुभारंभ

भास्कर संवाददाता| सागर

सागर| पीटीसी ग्राउंड सागर में रविवार को स्वदेशी मेला का शुभारंभ किया गया। संबोधित करते संयोजक कपिल मलैया। दूसरे चित्र में भारत माता का चित्र बनाते बाबा सत्यनारायण मौर्य।

रविवार को स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन, स्वदेशी जागरण मंच के तत्वाधान में आठ दिवसीय स्वदेशी मेला का शुभारंभ सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके पश्चात मेला प्रांगण में संत पं. बृजेश मिश्रा दिल्ली द्वारा भजन प्रस्तुति दी गई। बाबा सत्यनारायण मौर्य एवं अन्य कलाकारों द्वारा देशभक्ति गीत एवं एक शाम देश के नाम जैसे गानों पर अपनी प्रस्तुति हुई।

कार्यक्रम में राज्य मंत्री धर्मेंद्र लोधी ने कहा कि भारत को विश्व गुरु बनाने में स्वदेशी वस्तुओं की महत्वपूर्ण और निर्णायक भूमिका रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वोकल फ़ॉर लोकल मिशन को चलाकर देश को एक नई दिशा प्रदान की है। उनकी इस मुहिम से स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने और अधिक से अधिक इसका उपयोग करने में इन मेलों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी क्योंकि कहीं ना कहीं एक स्थान पर स्वदेशी वस्तुओं की जानकारी मिल जाने से लोगों में जागरूकता बढ़ेगी और वह इसका उपयोग भी कर सकेंगे जिससे हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा कि स्वदेशी उद्योग आत्मनिर्भरता की नींव है। सरकार नए और उन्नत उद्योगों और तकनीक की स्थापना कर रही है। सरकार के साथ-साथ भारत जैसे प्रगतिशील देश के लोगों का भी कर्तव्य है कि वे भारत में बनी वस्तुएं खरीद कर देश की उन्नति और आत्मनिर्भरता में अपना योगदान दें। आजकल ऑनलाइन शॉपिंग का जमाना है। हर छोटी से छोटी चीज ऑनलाइन खरीदते वक्त हम ध्यान ही नहीं रखते कि ये वस्तुएं कहां बनी है। यह सही नहीं है। मेला संयोजक, समाजसेवी कपिल मलैया ने कहा कि स्वदेशी मेले का आयोजन लोगों के लिए स्वदेशी के प्रति जागरूकता लाने किया गया है। जिसमें प्रतिदिन अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मेले में ज्वेलरी, कपड़े, घरेलू सामग्री के स्टॉल्स मुख्य आकर्षण के केंद्र हैं। लघु व कुटीर उद्योग, गृह उद्योग और छोटे व्यापारियों के स्वदेशी उत्पादों को एक स्थान पर उपलब्ध कराने का यह एक प्रयास है, जो शहर में पहली बार आयोजित किया जा रहा है। मेला संरक्षक शैलेश केशरवानी ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं के जो उत्पाद हम खरीदते हैं उसका बड़ा हिस्सा राष्ट्र निर्माण में लगता है। इससे देश को मजबूती मिलती है। स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए यह जरूरी है लोग स्वदेशी वस्तुओं का अधिक से अधिक उपयोग करें। मेला सहसंयोजक विशांक तिवारी ने कहा कि यदि कोई भी व्यक्ति स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करता है तो वह देश के विकास में योगदान देता है। इस मौके पर संघ चालक डॉ. गौरीशंकर चौबे, सह प्रांत कार्यवाह विनोद नेमा, प्रांत महिला प्रमुख स्वदेशी जागरण मंच राजकुमारी शुक्ला, प्रो. विकास सिंह, आलोक सिंह चौहान, केशव टुर्वोलिया, प्रो. राघवेन्द्र प्रताप सिंह चंदेल, जितेन्द्र शुक्ला, सुधीर दांते, साकेत राठौर, सुनील देव, धर्मेन्द्र गुप्ता आदि सहित अनेक लोग मौजूद रहे। संचालन आदेश जैन ने किया।

भारत को विश्व गुरु बनाने में स्वदेशी वस्तुओं की महत्वपूर्ण और निर्णायक भूमिका रहेगी : राज्यमंत्री

स्वदेशी मेला का पीटीसी ग्राउंड में हुआ भव्य शुभारंभ

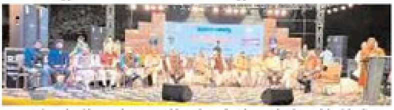

भारत को विश्व गुरु बनाने में स्वदेशी वस्तुओं की महत्वपूर्ण और निर्णायक भूमिका रहेगी: राज्यमंत्री

स्वदेशी मेला के उद्घाटन में होंगी बाबा सत्यनारायण मौर्य और ब्रजेश मिश्रा की भव्य प्रस्तुतियां: कपिल मलैया

सागर, देशबन्धु। म.प्र में पहली बार भव्य स्तर पर 25 फरवरी से 8 दिवसीय स्वदेशी मेला का आयोजन होने जा रहा है। पीटीसी मैदान में स्वदेशी मेला का उद्घाटन आज शाम 5.30 बजे धर्मेन्द्र सिंह लोधी राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार संस्कृति पर्यटन, धार्मिक न्यास, धर्मस्व विभाग करेंगे। मुख्य अतिथि शैलेंद्र जैन विधायक, अध्यक्षता संगीता तिवारी महापौर करेंगी। भजन प्रस्तुति संत वाणी पं. ब्रजेश मिश्रा दिल्ली व विश्वप्रसिद्ध बहुआयामी देशभक्त कलाकार बाबा सत्यनारायण मौर्य एक शाम देश के नाम गीत की भव्य प्रस्तुति करेंगे। मेला संयोजक, समाजसेवी कपिल मलैया ने बताया कि जब से इन दोनों कलाकारों के आगमन की सूचना जब से शहर में हुई है तब से जनता में इनके कार्यक्रम को देखने के लिए अपार हर्ष व उत्साह देखा जा रहा है। उद्घाटन सत्र में देश प्रेम से ओतप्रोत बहुत ही मनोरंजक कार्यक्रम होने वाला है। यह मेला संपूर्ण परिवार के मनोरंजन का मेला है। स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए सबसे आसान और कारगर तरीका यही है कि रोजमर्रा की उपयोगी वस्तुओं में हम अधिक से अधिक स्वयं उपयोग करें और दूसरों को भी ऐसा ही करने के लिए प्रेरित करें।

मीडिया कवरेज

धर्म . समाज . संस्था

dainikbhaskar.com दैनिक भास्कर सागर, बुधवार, 28 फरवरी, 2024 4

स्वदेशी मेला • पीटीसी मैदान के मेले में पंजाबी मोजड़ी (जूती), जयपुरी ज्वेलरी भी बनी आकर्षण का केंद्र

राजस्थानी अचार, तमिलनाडू की कांजीवरम साड़ी, महाराष्ट्रीयन फूड रॉ मटेरियल के साथ 19 राज्यों की विशेष सामग्री लुभा रही मेले में

शहर के पीटीसी मैदान में लगे स्वदेशी मेले में भारतीय संस्कृति और स्वदेशी की दिख रही झलक। मेले में स्वदेशी अचार, गहने, साड़ियों सहित स्वदेशी व्यंजनों की भरमार है। बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं।

रोज हो रहे सांस्कृतिक आयोजनों में प्रतिभाओं को मिल रहा मंच

भास्कर संवाददाता | सागर

जरा, सोचिए देश के अलग-अलग राज्यों के परंपरागत व्यंजन, वस्त्र, ज्वेलरी, सजावट और अन्य वस्तुएं किसी एक ही जगह पर उपलब्ध हो तो कितना अच्छा होगा। स्वदेशी मेला सागर में ऐसा ही अवसर लेकर आया है। शहर के पीटीसी मैदान में लगे इस मेले में भारतीय संस्कृति और स्वदेशी की झलक दिख रही है। यहां 19 राज्यों के 200 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। इनमें राजस्थान का प्रसिद्ध अर्जुन व लसोड़े का अचार, तमिलनाडु की कांजीवरम साड़ी, महाराष्ट्रीयन फूड रॉ मटेरियल के अलावा पंजाब, गुजरात, उप्र व छग की दैनिक उपयोग व सजावट सामग्री के अलावा विशेष व्यंजन व अन्य सामग्री शामिल है। यहां सुबह बच्चों, युवा व महिलाओं के लिए मंच प्रदान किया जा रहा है, जहां वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर पा रहे हैं। दोपहर में विभिन्न भारतीय संस्कारों पर आधारित गोष्ठी और सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें बुंदेली सहित विभिन्न प्रदेशों के लोकनृत्य व संगीत की प्रस्तुति दी जा रही है।

- **ज्वेलरी :** स्टोन, झलकन, बास, कुंदन, एडी ज्वेलरी, पोलकी, कौपर ज्वेलरी, जयपुरी बीट्स माला, जयपुरी लौंग सेट, मिंट माला।
- **अचार-मुरब्बा :** अर्जुन अचार, लहसुन, मिर्ची व अदरक अचार, ड्राई फ्रूट, गुड़वा अचार, राजस्थानी प्रसिद्ध लसोड़े, आमड़ो अचार, बेल मुरब्बा, कैरी, केर, इमली व मिक्स अचार सहित 40 प्रकार के अचार उपलब्ध हैं।
- **पंजाबी:** मेले में पंजाबी मोजड़ी यानी जूती विशेष आकर्षण का केंद्र है। इसमें माइक्रो फोम, पीवी सोल, हील वाली व फ्लैट जूती शामिल है।
- **मप्र व छग:** आयटमों में ईयर रिंग, झुमकी, चेन, लॉकेट, हैंडबेग, हैंड पर्स, पोटली, मोबाइल पर्स शामिल हैं।

जानिए, मेले में आपके लिए यह है खास

- **तमिलनाडु :** कॉटन, रेशम व सूत कॉटन से बनी साड़ियों में साउथ बनारसी, साउथ कॉटन, साउथ सिल्क, खादी कॉटन, बनारसी सिल्क, तमिलनाडु की कांजीवरम साड़ी शामिल है।
- **महाराष्ट्र:** पुणे का विशेष फूड रॉ मटेरियल बिक रहा है। इससे इडली, डोसा, सांभर, जलेबी, फालूदा, गुलाब जामुन, खड़ी आदि व्यंजन मिनटों में तैयार कर सकते हैं।
- **उत्तर प्रदेश :** शाहजहांपुर के सोफा, टेबिल, वॉशिंग मशीन, पलंग पट्टी, आसन पट्टी सहित कई प्रकार की वैरायटी उपलब्ध है।
- **चौपाटी:** बटर पॉपकॉर्न, शुगर कैंडी पॉपकॉर्न, राजस्थानी चौपाटी, यूपी के राजमा चावल, छोटे भटूरे, शाही पॉपकॉर्न, अमेरिकन स्वीट पॉपकॉर्न, बॉम्बे चौपाटी के आयटम उपलब्ध हैं।
- **तत्काल वस्त्र निर्माण व डिजाइन:** लुधियाना व सूरत से कपड़ा मंगाकर लेकरा, टू वे, शुगर पोली, चूरस पोलो, स्नो फ्लेक्स, वेलेंटीनो जैसे आयटम तैयार कराए जा रहे हैं। इनमें गर्ल्स, वुमन, एथेनिक व स्पोर्ट्स वेयर शामिल हैं।
- **कॅरियर गाइड:** मेघा कॅरियर गाइड नोट बुक में सागर के नरेश यादव ने 10 वीं के बाद विषय चयन, 12 वीं और ग्रेज्युएशन के बाद छात्रों को मार्गदर्शन देने वाली विशेष गाइड तैयार की है। यह भी यहां उपलब्ध है।

सागर में स्वदेशी वस्तु और संस्कृति का संगम, इसका लाभ उठाएं

मेला संयोजक कपिल मलैया का कहना है कि स्वदेशी वस्तु और संस्कृति का यहां अनोखा संगम देखने को मिल रहा है। सागर व आसपास के लोगों के लिए यह बड़ा ही सुनहरा अवसर मिला है। शैलेष केशरवानी ने बताया संभवतः सागर में पहली बार ऐसा अवसर आया है जहां 19 राज्यों के स्वदेशी व्यंजनों का स्वाद और सामग्री उपलब्ध है। लोग इसका ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन, स्वदेशी जागरण मंच के तत्वधान में आयोजित इस मेले में सबका सहयोग मिल रहा है।

स्वदेशी मेला का चौथा दिन • पीटीसी ग्राउंड में स्वर्णिम भारत फाउंडेशन व स्वदेशी जागरण मंच का आयोजन

चटपटे व्यंजनों के साथ नृत्य, गायन, वाद्य यंत्र एवं काव्य पाठ की प्रस्तुति

भास्कर संवाददाता | सागर

स्वदेशी मेले में कृष्णाविजया कलायतन के कलाकारों ने वाद्य यंत्र संगत और संगीतमय कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

स्वर्णिम भारत फाउंडेशन स्वदेशी जागरण मंच के तत्वाधान में आयोजित स्वदेशी मेला के चौथे दिन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति में लोगों कि भीड़ उमड़ पड़ी। मेले में बुधवार को कृष्णा विजया कलायतन ग्रुप द्वारा वाद्य यंत्र, हरगोविंद विश्व द्वारा काव्य पाठ, पूजा पड़ेले द्वारा नृत्य की प्रस्तुति एवं नितिन जैन व उनके साथियों द्वारा गायन की प्रस्तुति का लोगों ने जमकर आनंद लिया। मेले में लोग अपने पसंद के सामान की खरीदारी भी उत्साह पूर्वक करते दिखे।

इस अवसर पर सागर कलेक्टर दीपक आर्य ने कहा कि स्वदेशी वस्तुएं जब लोग खरीदते हैं तो उसका पैसा हमारे देश में रहता है जिससे देश तेजी से विकास करता है और आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है। एसपी अभिषेक तिवारी ने कहा कि विदेशी कंपनियां प्रचार प्रसार में आगे है जिससे लोग आकर्षित होते हैं लेकिन हम सभी स्वदेशी वस्तुओं को ही अपनाएं। पूर्व महापौर इंजी.अभय दरे ने कहा कि देश को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए हम मिलकर स्वदेशी को ही अपनाएं।

मेला संयोजक, समाजसेवी कपिल मलैया ने बताया कि मेले की खासियत है कि लोगों को एक ही छत के नीचे स्वदेशी सामान उपलब्ध हो रहे है। विभिन्न सांस्कृतिक रंगों की छटा एकता की प्रतीक है। खान पान और हस्तशिल्प के नायाब विकल्प यहां हैं। स्वदेशी मेला विविधता में एकता की कड़ियों को मजबूत करने के साथ 'वसुधैव कुटुम्बकम' की अवधारणा को भी आगे बढ़ाता है।

मेला संरक्षक शैलेश केशरवानी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'लोकल फॉर वोकल' की बात पर जोर दिया है। इसके बाद लोग स्वदेशी वस्तुएं अपनाने लगे हैं इसे और बढ़ाना है। मेला पालक अनिल अवस्थी एवं मेला के सहसंयोजक रिशांक तिवारी ने भी विचार रखे।

इस अवसर पर संगठन मंत्री साकेत, नगर कार्यवाहक राम सहाय, जिला सह कार्यवाह रामकेश, अखिलेश समैया, विनय मलैया, रमाकांत यादव, शफीक खान, ब्रजेश तिवारी, देवेन्द्र फुसकेले, अश्विन दरे आदि मौजूद रहे। संचालन नितिन पटैरिया व सिद्धार्थ शुक्ला ने किया।

औषधि विक्रय और स्वदेशी विषय पर संगोष्ठी

सागर | स्वदेशी मेला पीटीसी ग्राउंड में जिला औषधि विक्रेता संघ एवं एमआर यूनियन के साथ औषधि विक्रय और स्वदेशी विषय पर संगोष्ठी हुई। संघ द्वारा सागर संभाग की औषधि विक्रेताओं की छह हजार दुकानों में स्वदेशी जागरूकता के स्टीकर लगाने का निर्णय लिया गया। संघ के सभी सदस्यों ने बताया कि सरकार से आग्रह करेंगे कि मप्र में दवाइयों के निर्माण को और सुविधा प्रदान की जाए। संगोष्ठी में स्वदेशी मेला संयोजक कपिल मलैया, नीलेश जैन, सुनील जैन, मनीष जैन, लक्ष्मीकांत तिवारी, प्रभात जैन, भरत जैन, विनोद जैन, तरुण साहू, विशाल जैन, विकास कुमार, सूर्यकांत प्रजापति, पारस आदि उपस्थित थे।

मीडिया कवरेज

मेले में शिशु वेशभूषा, मलखंभ प्रतियोगिता, गणेश वंदना, तबला वादन, बुंदेली लोकगीत, काव्य पाठ का आयोजन किया गया

स्वदेशी मेला में उमड़ी भीड़, जयपुरी ज्वेलरी व भारतीय व्यंजन आकर्षण का केंद्र बने

भास्कर संवाददाता | सागर

पीटीसी मैदान में आठ दिवसीय स्वदेशी मेला के दूसरे दिन सोमवार को लोगों की खासी भीड़ उमड़ी। मेले के सभी स्टॉल पर ग्राहक व दर्शकों की भीड़ रही। दोपहर में शिशु वेशभूषा प्रतियोगिता, मलखंभ प्रतियोगिता, शाम को गणेश वंदना, तबला वादन, बुंदेली लोक गीत, काव्य पाठ आदि की प्रस्तुति दी गई। स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन व स्वदेशी जागरण मंच के तत्वाधान में आयोजित मेला के दूसरे दिन राष्ट्रीय संगठन स्वदेशी कश्मीरी लाल जी, नगर निगम आयुक्त चंद्रशेखर शुक्ला, जनसं पर्क प्रमुख प्रणव पारे, मेला संयोजक कपिल मलैया, मेला संरक्षक शैलेष केशरवानी एवं अन्य अतिथियों ने उपस्थित होकर दीप जलाकर मेला की शुरुआत की।

पीटीसी मैदान में आठ दिवसीय स्वदेशी मेला के दूसरे दिन सोमवार को लोगों की खासी भीड़ उमड़ी। दूसरे चित्र में मेले में तबले की जुगलबंदी प्रस्तुत करते आदर्श संगीत महाविद्यालय के विद्यार्थी।

इस अवसर पर कश्मीरी लाल ने कहा कि स्वदेशी और विदेशी दैनिक उपयोग की वस्तुओं का अंतर जन-जन तक टोली के सदस्यों द्वारा सभी माध्यमों से पहुंचाना चाहिए। इसके अलावा स्वदेशी वस्तुओं के लाभ की जानकारी भी देना चाहिए। बंसल हॉस्पिटल के सीईओ संकेत लाहरी ने बताया कि अगर स्वदेशी वस्तुओं को सही तरीके से जनता के बीच रखा जाएगा तो निश्चित तौर पर स्वदेशी को बढ़ावा मिलेगा। मेला के संयोजक व समाजसेवी कपिल मलैया ने बताया कि यहां विभिन्न राज्य के लघु कुटीर उद्योग के उत्पादों के अलावा बड़ी कंपनियों के अत्याधुनिक उत्पाद भी उपलब्ध हैं, जो मेला की रौनक बढ़ा रहे हैं। इसके अलावा मेले में जयपुरी ज्वेलरी, झांसी के बैग, कपड़े, घरेलू सामग्री के स्टॉल, परंपरागत भारतीय व्यंजन, बच्चों के लिए बड़े-बड़े झूले, महिलाओं के लिए पारंपरिक परिधान, देश भर से आए विभिन्न वस्तुओं के स्टॉल, हैण्डीक्राफ्ट एवं हैण्डलूम, कुश्ती प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम मुख्य आकर्षण के केंद्र है। मलैया ने बताया कि स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन, स्वदेशी जागरण मंच द्वारा इस तरह के मेला बड़े शहरों में लगाते थे, लेकिन पहली बार सागर में इस तरह का आयोजन किया गया है। मेला संरक्षक भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य शैलेष केशरवानी ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए सरकार इनके उत्पादकों को अनुदान देने के साथ-साथ व्यापक प्रचार-प्रसार में मदद कर रही है। इससे आम जनता को ऐसी वस्तुओं की उपयोगिता का ख्याल आ रहा है। वहीं अपेक्षाकृत सस्ती होने से स्वदेशी वस्तुओं की बिक्री भी बढ़ रही है। टोली सदस्य अखिलेश समैया ने बताया कि वस्तुएं एवं उत्पाद किसी भी मामले में विदेशी वस्तुओं से कम नहीं हैं। इस अवसर पर अभय दरे, विनय मलैया, समाजसेवी सौरभ रांधेलिया, सिद्धार्थ शुक्ला, सुष्मिता ठाकुर, पूजा पांडे, कैलाश तिवारी, नितिन पटैरिया, सुनीता अरिहंत आदि उपस्थित थे।

स्वदेशी मेला में हुई कुश्ती, बुंदेलखंड का अहीर लोक नृत्य

सागर @ पत्रिका. स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन स्वदेशी जागरण मंच द्वारा पीटीसी मैदान में संचालित 10 दिवसीय स्वदेशी मेले में भीड़ उमड़ी। मेले में कुश्ती प्रतियोगिता में पहलवानों ने दाव-पेंच लगाए।

संस्था के सचिव मयंक तिवारी ने बताया की देश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई। जिसमें बुंदेलखंड का अहिर लोक नृत्य शामिल है इसके अलावा बुंदेलखंड बैड़ की प्रस्तुति दी। विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा कि मेला में स्वदेशी वस्तुओं के साथ-साथ स्वदेशी प्रतियोगिताएं भी देखने को मिल रही है। महापौर संगीता तिवारी ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए सरकार इनके उत्पादकों को अनुदान देने के साथ-साथ व्यापक प्रचार-प्रसार में मदद कर रही है। नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार ने कहा कि स्वदेशी वस्तुएं एवं उत्पाद किसी भी मामले में विदेशी वस्तुओं से कम नहीं हैं। संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि मेला में बुंदेलखंड केसरी कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जनता की मांग पर मेले को दो दिन बढ़ाया गया है।

मेला में कलाकारों ने दी प्रस्तुति, स्वदेशी वस्तुओं की हुई खरीदारी

सागर @ पत्रिका. स्वर्णिम भारत फाऊंडेशन स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित 8 दिवसीय स्वदेशी मेला अपने पूरे खुमार पर है। मेला मे संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार एवं हरियाणा कला परिषद के सहयोग से संस्था लोक रंग दर्पण कला केंद्र के द्वारा आयोजित आदिवासी एवं जनजाति उत्सव हुआ। लोक रंग दर्पण की सचिव विनीता दोहरे ने बताया कि देश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई।

मुख्य अतिथि नरयावली विधायक प्रदीप लारिया ने कहा कि जैसे-जैसे भारतीय अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, यह महत्वपूर्ण है कि हम अधिक से अधिक स्वदेशी उत्पाद खरीदकर अपनी अर्थव्यवस्था का समर्थन करें। भाजपा जिला अध्यक्ष गौरव सिरोठिया ने कहा कि स्वदेशी उत्पादों या भारतीय ब्रांडों को बढ़ावा देते है तो नौकरियों में वृद्धि की बेहतर संभावनाएं हैं। जेल पुलिस अधीक्षक दिनेश नागवारे ने कहा कि स्वदेशी हर देश के लिए हर समय बहुत आवश्यक होता है। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख सेंट्रल बैंक एनके सिंह, डीएफओ चंद्रशेखर सिंह, मेला संयोजक कपिल मलैया, शैलेश केसरवानी, रिशांक तिवारी ने विचार रखे।

स्वदेशी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए हो रहा आयोजन

स्वदेशी मेला में लोक नृत्यों ने बांधा समां, बुंदेली व्यंजन का लिया स्वाद

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

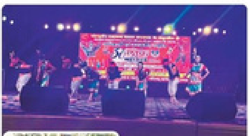

सागर. स्वर्णिम भारत फाउंडेशन स्वदेशी जागरण मंच के द्वारा स्वदेशी मेला के पांचवे दिन लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। मेले में गुरुवार को पद्मश्री से नवाजे गए बुंदेलखंड राई के कलाकार रामसहाय पांडेय के पुत्र संतोष पांडेय द्वारा लोक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। हास्य कलाकार मुकेश चक्रवर्ती ने प्रस्तुति दी।

मुख्यअतिथि कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि यदि हम स्वदेशी वस्तुओं का अधिक से अधिक उपयोग करते हैं तो उससे हमारे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है क्योंकि सारा पैसा हमारे देश लोगों के पास ही जाता है। स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग से देश के नागरिकों का विकास होता है और वे देश की प्रगति के लिए और महत्वपूर्ण खोज करते हैं। हमें यह समझना होगा कि देश में जो भी विकास अभी तक हुआ है, वह वास्तव में स्वदेशी के आधार पर ही हुआ है।

मेला संयोजक कपिल मलैया ने कहा कि स्वर्णिम भारत वर्ष फाउंडेशन स्वदेशी जागरण मंच का प्रयास है कि भारत के लोग अधिक से अधिक स्वदेशी वस्तुएं अपना और आत्मनिर्भर की ओर बढ़े क्योंकि अगर हम आत्मनिर्भर होंगे तो भारत देश बहुत तेजी से और तरक्की करेगा। संयोजक शैलेश केशरवानी ने बताया कि आज मेले का पांचवा दिन है और प्रतिदिन जैसे-जैसे लोगों को स्वदेशी मेला के बारे में जानकारी मिल रही है वैसे-वैसे लोग बड़ी संख्या में स्वदेशी वस्तुओं खरीदने हेतु मेले में आ रहे हैं। रिशांक तिवारी ने बताया कि स्वदेशी मेला में सागर शहर वासियों की रुचि देखने के लिए मिल रही है। इस अवसर पर उमेश वैद्य, शिवम, कमलेश अवस्थी, सतीश, सरोज मलैया, सौरभ रांधेलिया, डॉ. श्वेता नेमा, अंजली दुबे, सुनील सागर, सुनीता अरिहंत आदि उपस्थित थे। मंच का संचालन नितिन पटैरिया एवं सुष्मिता ठाकुर ने किया। आभार अखिलेश समैया ने माना।

स्वदेशी मेला में सजावटी सामान लोगों की खास पसंद बना, बुंदेली लोक नृत्य ने बांधा समां

भास्कर संवाददाता | सागर

स्वर्णिम भारत फाउंडेशन, स्वदेशी जागरण मंच के तत्वाधान में आयोजित स्वदेशी मेला के पांचवे दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति हुई। दर्शकों की खास भीड़ उमड़ी। गुरुवार को बुंदेली लोकनृत्य व नाटिका परिषद कनेराढ़ेव द्वारा संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार सीएसजीएस अनुदान के अंतर्गत आदिवासी एवं जनजातीय लोक महोत्सव द्वारा कराया गया एवं बुंदेली व्यंजन प्रतियोगिता, मुकेश चक्रवर्ती द्वारा हास्य कलाकार की प्रस्तुति दी गई। मेला में दोपहर से ही चहल-पहल नजर आई।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा प्रधानमंत्री स्वदेशी वस्तुओं को अधिक बढ़ावा दे रहे हैं। बहुत खुशी की बात है कि सागर में भी स्वदेशी मेला का आयोजन हो रहा है। उन्होंने कहा कि यदि हम स्वदेशी वस्तुओं का अधिक से अधिक उपयोग करते हैं तो उससे हमारे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग से देश के नागरिकों का विकास होता है। मेला संयोजक व समाजसेवी कपिल मलैया ने बताया कि स्वदेशी मेला आत्मनिर्भर भारत की ऊंचाई का प्रतीक है। मेला में स्टॉल पर जो उत्पाद मिल रहे हैं उसकी सबसे बड़ी खासियत इनका शुद्ध देशी तकनीक से बनना है। चाहे हस्तकला से निर्मित वस्तुएं राजस्थान, यूपी व दिल्ली के शॉल, कंबल, बैग, कपड़ा, दरी हो या फिर लकड़ी से बनाए गए सजावटी वस्तुओं के साथ फर्नीचर। उन्होंने बताया कि मेला में हाथ से बने टी-शर्ट का स्टॉल भी लगाया गया है। आप जैसी टी-शर्ट चाहो वैसी बन कर मिल जाएगी। मेला संयोजक शैलेष केशरवानी ने बताया कि आज मेले का पांचवा दिन है और प्रतिदिन जैसे-जैसे लोगों को स्वदेशी मेला के बारे में जानकारी मिल रही है, वैसे-वैसे लोग बड़ी संख्या में स्वदेशी वस्तुओं खरीदने हेतु मेले में आ रहे हैं।

सह संयोजक रिशांक तिवारी ने बताया कि स्वदेशी मेला में सागर शहर वासियों की रुचि देखने के लिए मिल रही है मैं शहर की जनता का आभार व्यक्त करता हूं। अगर हम स्वदेशी वस्तुओं को अपनाएंगे तो कहीं ना कहीं हम अपने भारत देश को आत्मनिर्भर और मजबूत बनाएंगे।

इस अवसर पर उमेश वैद्य, शिवम, कमलेश अवस्थी, सतीश, सरोज मलैया, सौरभ रांधेलिया, डॉ. श्वेता नेमा, अंजली दुबे, सुनील सागर, सुनीता अरिहंत आदि उपस्थित थे। मंच संचालन नितिन पटैरिया व सुष्मिता ठाकुर ने किया और आभार अखिलेश समैया ने व्यक्त किया।

कलाकारों को पुरस्कार देते हुए मंत्री गोविंद सिंह राजपूत।

कुश्ती हमारी पुरातन परम्परा और संस्कृति से जुड़ा हुआ खेल है: कपिल मलैया

स्वदेशी मेला में कुश्ती प्रतियोगिता, बुंदेलखंड का अहीर लोक नृत्य, बुंदेलखंड बैड़ की मनमोहक प्रस्तुति

सागर, देशबन्धु। स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित पीटीसी मैदान में संचालित 10 दिवसीय स्वदेशी मेला अपने पूरे शबाब पर है। [illegible]

कुश्ती हमारी पुरातन परम्परा और संस्कृति से जुड़ा हुआ खेल है। [illegible]

मीडिया कवरेज

स्वदेशी मेला • जनता की मांग पर अब मेला 3 की बजाए 5 मार्च तक चलेगा: कपिल

पहलवानों के दांव-पेंच से दर्शक रोमांचित, बरेदी नृत्य और बैंड की आकर्षक प्रस्तुति, फूलों की होली खेली

भास्कर संवाददाता | सागर

स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन स्वदेशी जागरण मंच द्वारा पीटीसी मैदान में आयोजित 10 दिवसीय स्वदेशी मेला शबाब पर है। स्वदेशी मेला के सातवें दिन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। मेले में संस्कृति मंत्रालय एवं हरियाणा कला परिषद के सहयोग से संस्था नवल प्रयास कला केंद्र द्वारा बुंदेलखंड महोत्सव का आयोजन किया गया। संस्था सचिव मयंक तिवारी ने बताया की विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी गई। इसके अलावा बुंदेलखंड का बरेदी लोक नृत्य और बुंदेलखंड बैंड की मनमोहक प्रस्तुति हुई। फूलों की होली भी खेली गई।

विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा कि मेले में स्वदेशी वस्तुओं के साथ स्वदेशी प्रतियोगिताएं भी देखने को मिल रही है जो अब विलुप्त सी होती जा रही हैं। मेले में भारतीय शैली की कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन सराहनीय है। महापौर संगीता सुशील तिवारी ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए सरकार घरेलू उत्पादकों को अनुदान देने के साथ विभिन्न स्तर पर मदद कर रही है। नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार ने कहा कि स्वदेशी उत्पाद किसी भी मामले में विदेशी वस्तुओं से कम नहीं है।

समाजसेवी नेवी जैन ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं के इस्तेमाल की ठान लें तो विदेशी कंपनियां बाजार में स्थापित नहीं हो पाएंगी। भारतीय शैली कुश्ती संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अर्जुन यादव ने कहा कि कुश्ती से न केवल शरीर बनता है बल्कि मानसिक विकास के साथ-साथ आत्मविश्वास बढ़ता है।

मेला संयोजक व भारतीय शैली कुश्ती संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि मेले में बुंदेलखंड केसरी कुश्ती प्रतियोगिता रविवार को भी होगी। जनता की मांग पर मेले को दो दिन बढ़ाया गया है। अब मेला 3 नहीं 5 मार्च तक चलेगा। कुश्ती हमारी पुरातन परम्परा और संस्कृति से जुड़ा हुआ खेल है। मेला संरक्षक शैलेश केशरवानी ने कहा कि यहां शहर के सभी वार्डों के पार्षद उपस्थित हैं। मैं आग्रह करता हूं कि सभी पार्षद अपने वार्डों में जाकर स्वदेशी मेला और स्वदेशी वस्तुओं का प्रचार-प्रसार करें। कुश्ती संघ के प्रदेश सह सचिव कौशल पहलवान ने बताया कि प्रतियोगिता के रैफरी हरेन्द्र उपाध्याय, विनय प्रजापति, निर्णायक मंडल में चंदन चक्रवर्ती, राकेश यादव, प्रवीन कुमार, इंद्रपाल थे। मेला सहसंयोजक रिशांक तिवारी ने भी विचार रखे।

इस अवसर पर प्रांत संपर्क प्रमुख राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ हरीश चंद्र द्विवेदी, क्षेत्रीय प्रबंधक स्टेट बैंक आफ इंडिया सुनील सक्सेना, वीनू राणा, अंकलेश्वर दुबे, मयंक तिवारी, रवि अग्रवाल, प्रशांत जैन, अभिषेक रजक, मगन पहलवान, अंकिता पहलवान, श्याम घोषी, प्रदीप पाठक, राजीव जैन आदि उपस्थित थे। संचालन नितिन पटैरिया व अखिलेश समैया ने किया। आभार विनय मलैया ने माना।

स्वदेशी मेले में कथक संध्या का आयोजन

सागर। पी.टी.सी. ग्राउण्ड में चल रहे सात दिवसीय स्वदेशी मेले के तृतीय दिवस समृद्ध सांस्कृतिक संध्या के तहत शाम्भवी क्रिएटिव फाउंडेशन की दिल्ली और सागर शाखा के शिष्य-शिष्याओ ने अपनी कथक समूह नृत्य प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। सरस्वती पूजन पश्चात मेला संयोजक कपिल मलैया एवं सम्मानीय जनों ने स्वदेशी मेले का महत्व बताया। डॉ शाम्भवी शुक्ला मिश्रा के शिष्यों ने अपनी प्रस्तुति का प्रारम्भ गणेश श्लोक 'वक्रतुण्ड महाकाय 'से किया तत्पश्चात जयपुर घराने के तोड़े, टुकड़े, परन, कवित्त आदि ताल अंग में प्रस्तुत कर अन्त में बसंत गीत पर अभिनय कर अपनी प्रस्तुति को विराम दिया। समूह नृत्य में दिल्ली और सागर संभाग की भावना पटेल, आरती गुरु, अंजलि, सचि जैन, सेजल मिश्रा, वृंदा कटारे, स्वाति संजय पिल्लई, ऋषभ शुक्ला शामिल थे। अन्त में डॉ.शाम्भवी ने मेला आयोजकों को धन्यवाद दिया।

स्वदेशी मेला में लोक नृत्य, बुंदेली व्यंजन प्रतियोगिता और हास्य कलाकार की प्रस्तुति ने बांधा समां

सागर, देशबन्धु। स्वर्णिम भारत फाउंडेशन स्वदेशी जागरण मंच के द्वारा आयोजित स्वदेशी मेला के पांचवे दिन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। मेले में गुरुवार को पद्मश्री से नवाजे गये बुंदेलखंडी राई के कलाकार रामसहाय पांडेय के सुपुत्र संतोष पांडेय द्वारा लोक नृत्य, बुंदेली व्यंजन प्रतियोगिता, मुकेश चक्रवर्ती द्वारा हास्य कलाकार की प्रस्तुति ने समां बांध दिया। मेला में दोपहर से ही खूब चहल पहल नजर आई। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि यदि हम स्वदेशी वस्तुओं का अधिक से अधिक उपयोग करते हैं तो उससे हमारे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है क्योंकि सारा पैसा हमारे देशी लोगों के पास ही जाता है। स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग से देश के नागरिकों का विकास होता है और वे देश की प्रगति के लिए और महत्वपूर्ण खोज करते हैं। हमें यह समझना होगा कि देश में जो भी विकास अभी तक हुआ है, वह वास्तव में स्वदेशी के आधार पर ही हुआ है। इस अवसर पर मेला संयोजक कपिल मलैया ने कहा कि स्वर्णिम भारत वर्ष फाउंडेशन स्वदेशी जागरण मंच का प्रयास है कि भारत के लोग अधिक से अधिक स्वदेशी वस्तुएं अपनाये और आत्मनिर्भर की ओर बढ़े क्योंकि अगर हम आत्मनिर्भर होंगे तो भारत देश बहुत तेजी से और तरक्की करेगा। मंच का संचालन नितिन पटैरिया, सुष्मिता ठाकुर ने किया। आभार अखिलेश समैया ने व्यक्त किया।

स्वदेशी मेला में कुश्ती प्रतियोगिता, बुंदेलखंड का अहीर लोक नृत्य, बुंदेलखंड बैड़ की मनमोहक प्रस्तुति हुई

हरिभूमि न्यूज ›› सागर

स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित पीटीसी मैदान में संचालित 10 दिवसीय स्वदेशी मेला अपने पूरे शबाब पर है। स्वदेशी मेला के सातवें दिन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। मेला में संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार एवं हरियाणा कला परिषद के सहयोग से संस्था नवल प्रयास कला केंद्र के द्वारा बुंदेलखंड महोत्सव का आयोजन किया गया। संस्था के सचिव मयंक तिवारी ने बताया की देश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई, जिसमें विशेष रूप से बुंदेलखंड का अहीर लोक नृत्य शामिल है इसके अलावा बुंदेलखंड बैंड़ की मनमोहक प्रस्तुति दी गई।

विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा कि मेला में स्वदेशी वस्तुओं के साथ-साथ स्वदेशी प्रतियोगिताएं भी देखने को मिल रही है जो आज के युग में विलुप्त हो चुकी है। आज मेला में कुश्ती संघ द्वारा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जो अपने आप में सराहनीय है।

महापौर संगीता सुशील तिवारी ने कहा कि बहुत ही कम समय में मेला की पूरी टोली ने सागर में इतने बड़े स्तर पर स्वदेशी मेले का आयोजन किया। स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए सरकार इनके उत्पादकों को अनुदान देने के साथ-साथ व्यापक प्रचार-प्रसार में मदद कर रही है।

नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार ने कहा कि स्वदेशी वस्तुएं एवं उत्पाद किसी भी मामले में विदेशी वस्तुओं से कम नहीं है।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भारतीय शैली कुश्ती संघ अर्जुन यादव ने कहा कि कुश्ती से न केवल शरीर बनता है बल्कि मानसिक विकास के साथ-साथ आत्मविश्वास बढ़ता है। खेल में हार-जीत का कोई महत्व नहीं होता है बल्कि खेलों में सौहार्द का समावेश होना चाहिए।

मेला के संयोजक व भारतीय शैली कुश्ती संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि मेला में बुंदेलखंड केसरी कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन आज भी होगा। जनता की मांग पर मेले को दो दिन बढ़ाया गया है। कुश्ती हमारी पुरातन परम्परा और संस्कृति से जुड़ा हुआ खेल है। कुश्ती पूरे दुनिया में खेले जाने वाले प्रमुख खेलों में से एक है। उन्होंने बताया कि शहरवासी बड़ी संख्या में मेले में भाग ले रहे है और स्वदेशी वस्तुओं का क्रय कर प्रतिदिन होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद उठा रहे है।

मेला संरक्षक शैलेश केशरवानी ने कहा कि आज हमारे बीच में शहर के सभी वार्डों के पार्षदगण उपस्थित है। मैं आग्रह करता हूं कि सभी पार्षद अपने वार्डों में जाकर स्वदेशी मेला और स्वदेशी वस्तुओं का प्रचार-प्रसार करें क्योंकि आप सभी का जुड़ाव प्रत्येक घर से होता है। प्रदेश सह सचिव भारतीय शैली कुश्ती संघ के कौशल पहलवान ने बताया कि प्रतियोगिता के रैफरी हरेन्द्र उपाध्याय, विनय प्रजापति, निर्णायक मंडल में चंदन चक्रवर्ती, राकेश यादव, प्रवीन कुमार, इंद्रपाल उपस्थित थे। इस अवसर पर हरीश चंद्र द्विवेदी प्रांत संपर्क प्रमुख राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, सुनील सक्सेना क्षेत्रीय प्रबंधक स्टेट बैंक आफ इंडिया, वीनू राणा, अंकलेश्वर दुबे, मयंक तिवारी, रवि अग्रवाल, प्रशांत जैन, अभिषेक रजक, मगन पहलवान, अंकिता पहलवान, श्याम घोषी, विनय जैन, करन बहादुर श्रीवास्तव, कैलाश तिवारी, हरेन्द्र उपाध्याय, विनय प्रजापति, प्रदीप पाठक, राजीव जैन उपस्थित थे।

मीडिया कवरेज

स्वदेशी मेला • दंगल प्रतियोगिता, एकल गायन, हास्य एवं आधुनिक बैंड की प्रस्तुति हुई

सागर | पीटीसी ग्राउंड में चल रहे स्वदेशी मेले में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। लोग परिवार के साथ मेले में खरीदारी कर आनंद लेते रहे।

कुश्ती प्रतियोगिता के लिए छत्रसाल अखाड़ा में खिलाड़ियों का चयन किया गया

सागर। बुंदेलखंड केसरी मप्र कुश्ती प्रतियोगिता के लिए आज छत्रसाल अखाड़ा में सागर जिला की टीमों का चयन किया गया जिसमें विभिन्न वेट केटेगिरी के खिलाड़ियों का चयन हुआ। 45-50 किग्रा वजन में प्यूस ठाकुर, मयूर यादव, धर्मेश, अंकित, पवन बंसल बीना, कृष्णा यादव, 50-55 किग्रा. में विकास यादव, रचित सेन, महेन्द्र रैकवार बीना, 55-60 किग्रा. में अदिल, अभिषेक यादव, गौरव सोनी, 60-65 किग्रा. में आर्यन यादव, दीपेश अहिरवार, 65-70 किग्रा. में भरत सेन, रावत शिल्पकार, विक्की कुशवाहा, 70 टाईटल किग्रा. में केतन कश्यप, नयन करोसिया, नरेश यादव दीपक यादव आदि खिलाड़ियों का चयन किया गया।

प्राकृतिक चिकित्सा और प्राकृतिक खाद के स्टॉल से लोगों को मिल रहा फायदा : कपिल

भास्कर संवाददाता | सागर

पीटीसी मैदान में आयोजित 10 दिवसीय स्वदेशी मेले में रविवार को लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। आठवें दिन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति हुई। रविवार को भी कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें पहलवानों ने अपने दांव पेंच दिखाए। इसके अलावा एकल गायन, मुकेश चक्रवर्ती की हास्य प्रस्तुति,आधुनिक बैंड की प्रस्तुति हुई।

मुख्य अतिथि पूर्व विधायक सुनील जैन ने कहा कि स्वदेशी मेले में भारतीय संस्कृति की झलक देखने को मिल रही है। मेले का आयोजन सराहनीय है।

विशेष अतिथि कथावाचक विपिन बिहारी एवं साहित्यकार आचार्य पं. महेश दत्त त्रिपाठी रहे। अध्यक्षता कौशल पहलवान ने की। मेला संयोजक कपिल मलैया ने बताया कि मेले में शांतिलनम आयुष इंस्टिट्यूट ऑफ इंडियन मेडिसिनल साइंसेज का स्टॉल लगा है जहां पर डॉ. सौरभ भारिल्ल द्वारा प्रतिदिन जटिल बीमारियों, पंचकर्मा, प्राकृतिक चिकित्सा एवं कायरोप्रैक्टिक की सेवाओं की जानकारी देकर लोगों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह एक ऐसा चिकित्सा केंद्र है जहां पर जटिल बीमारियों का इलाज एवं बच्चों की इम्युनिटी से संबंधित बीमारियों का इलाज परंपरागत और वैज्ञानिक पद्धतियों द्वारा किया जाता है। मेला संरक्षक शैलेश केशरवानी ने बताया कि लोगों ने स्वदेशी वस्तुओं के प्रति जबरदस्त रुचि दिखाई है।

स्वदेशी मेले में फूलों की होली का आयोजन किया गया।

मेला में प्राकृतिक फार्म का स्टॉल लगाया गया है। कार्तिक मलैया ने बताया कि स्टॉल लगाने से लोगों को प्राकृतिक खाद की जानकारी मिल रही है। उन्होंने बताया कि पोषामृत खाद पौधों में डालने से फल की वृद्धि हो जाती है। ह्यूमिक एसिड एक प्रकार का तरल खाद है। यह पांच प्रकार की पत्ती और गौमूत्र से मिलकर बनाया गया है। अगर हर हफ्ते पौधों में छिड़काव किया जाए तो किसी भी प्रकार का कीड़ा नहीं लगता। मेला सह संयोजक रिशांक तिवारी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। निर्णायक मंडल में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भारतीय शैली कुश्ती संघ अर्जुन यादव व केशव प्रसाद थे। संचालन अखिलेश समैया, नितिन पटैरिया व अभिमन्यु सोनी ने किया। आभार विनय मलैया ने माना। इस अवसर पर राजेन्द्र अग्रवाल, राजकमल केशरवानी, विनय पहलवान, रवि अग्रवाल, सुनीता अरिहंत, सौरभ रांधेलिया, डॉ. श्वेता नेमा, रविन्द्र तिवारी, नितिन सोनी आदि मौजूद रहे।

कुश्ती : बुंदेलखंड केशरी का खिताब 80 किलोग्राम वर्ग में नयन करोशिया ने जीता

सागर | पीटीसी मैदान पर भारतीय शैली कुश्ती संघ सागर द्वारा आयोजित कुश्ती प्रतियोगिता में 80 किलोग्राम वर्ग में नयन करोसिया सागर ने प्रथम स्थान हासिल कर बुंदेलखंड केसरी टाइटल अर्जित किया। स्पर्धा में सौरभ यादव जबलपुर द्वितीय एवं अथर्व चक्रवर्ती जबलपुर तृतीय रहे। प्रतियोगिता में जबलपुर, डिण्डौरी, कटनी, छिंदवाड़ा, बालाघाट, सिवनी, मण्डला, नरसिंहपुर, दमोह, छतरपुर, एवं मेजबान सागर के लगभग 90 पहलवानों ने भाग लिया। मंच पर उपस्थित भारतीय शैली कुश्ती संघ मप्र. के उपाध्यक्ष कपिल मलैया, महासचिव अर्जुन यादव, सह सचिव कौशल सोनी एवं उस्ताद खलिफाओं की उपस्थिति में दो दिवसीय कुश्ती स्पर्धा विभिन्न भार वर्गों में हुई। स्पर्धा में 50 कि.ग्रा. अमित यादव सागर प्रथम, शिवराम पंसकार कटनी द्वितीय, पीयूष ठाकुर सागर तृतीय रहे। अतिथियों के द्वारा विजेता पहलवानों को नगद राशि, प्रमाण पत्र, मैडल, एवं गुरज से सम्मानित किया गया। निर्णायक मण्डल में विनय प्रजापति, होरेन्द्र उपाध्याय, चंदन चक्रवर्ती, राकेश यादव, इंद्रपाल सिंह, प्रवीण धनगर ने निर्णायक की भूमिका निभाई। संचालन अभिमन्यु सोनी द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन विनय जैन के किया।

स्वदेशी मेला में आदिवासी एवं जनजाति उत्सव का हुआ आयोजन

सागर, देशबन्धु। स्वदेशी मेला सागर में संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार एवं हरियाणा कला परिषद के सहयोग से [illegible] लोक रंग दर्शन कला केंद्र के द्वारा आदिवासी एवं जनजाति उत्सव का आयोजन किया गया। लोक रंगदर्शन की सचिव [illegible] ने बताया कि इस महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों से आये कलाकारों द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई जिसमें महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं मध्यप्रदेश राज्यों के कलाकार शामिल हुए।

मेले में शिशु वेशभूषा, मलखंभ प्रतियोगिता, गणेश वंदना, तबला वादन, बुंदेली लोकगीत, काव्य पाठ का आयोजन किया गया

स्वदेशी मेला में उमड़ी भीड़, जयपुरी ज्वेलरी व भारतीय व्यंजन आकर्षण का केंद्र बने

भास्कर संवाददाता | सागर

पीटीसी मैदान में आठ दिवसीय स्वदेशी मेला के दूसरे दिन सोमवार को लोगों की खासी भीड़ उमड़ी। मेले के सभी स्टॉल पर ग्राहक व दर्शकों की भीड़ रही। दोपहर में शिशु वेशभूषा प्रतियोगिता, मलखंभ प्रतियोगिता, शाम को गणेश वंदना, तबला वादन, बुंदेली लोक गीत, काव्य पाठ आदि की प्रस्तुति दी गई। स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन व स्वदेशी जागरण मंच के तत्वाधान में आयोजित मेला के दूसरे दिन राष्ट्रीय संगठन स्वदेशी कश्मीरी लाल जी, नगर निगम आयुक्त चंद्रशेखर शुक्ला, जनसंपर्क प्रमुख प्रणय पारे, मेला संयोजक कपिल मलैया, मेला संरक्षक शैलेष केशरवानी एवं अन्य अतिथियों ने उपस्थित होकर दीप जलाकर मेला की शुरुआत की।

पीटीसी मैदान में आठ दिवसीय स्वदेशी मेला के दूसरे दिन सोमवार को लोगों की खासी भीड़ उमड़ी। दूसरे चित्र में मेले में तबले की जुगलबंदी प्रस्तुत करते आदर्श संगीत महाविद्यालय के विद्यार्थी।

इस अवसर पर कश्मीरी लाल ने कहा कि स्वदेशी और विदेशी दैनिक उपयोग की वस्तुओं का अंतर जन-जन तक टोली के सदस्यों द्वारा सभी माध्यमों से पहुंचाना चाहिए। इसके अलावा स्वदेशी वस्तुओं के लाभ की जानकारी भी देना चाहिए। बंसल हॉस्पिटल के सीईओ संकेत लाहौटी ने बताया कि अगर स्वदेशी वस्तुओं को सही तरीके से जनता के बीच रखा जाएगा तो निश्चित तौर पर स्वदेशी को बढ़ावा मिलेगा। मेला के संयोजक व समाजसेवी कपिल मलैया ने बताया कि यहां विभिन्न राज्य के लघु कुटीर उद्योग के उत्पादों के अलावा बड़ी कंपनियों के अत्याधुनिक उत्पाद भी उपलब्ध हैं, जो मेला की रौनक बढ़ा रहे हैं। इसके अलावा मेले में जयपुरी ज्वेलरी, झांसी के बैग, कपड़े, घरेलू सामग्री के स्टॉल, परंपरागत भारतीय व्यंजन, बच्चों के लिए बड़े-बड़े झूले, महिलाओं के लिए पारंपरिक परिधान, देश भर से आए विभिन्न वस्तुओं के स्टॉल, हैण्डीक्राफ्ट एवं हैण्डलूम, कुश्ती प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम मुख्य आकर्षण के केंद्र हैं। मलैया ने बताया कि स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन, स्वदेशी जागरण मंच द्वारा इस तरह के मेला बड़े शहरों में लगाते थे, लेकिन पहली बार सागर में इस तरह का आयोजन किया गया है। मेला संरक्षक भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य शैलेष केशरवानी ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए सरकार इनके उत्पादकों को अनुदान देने के साथ-साथ व्यापक प्रचार-प्रसार में मदद कर रही है। इससे आम जनता को ऐसी वस्तुओं की उपयोगिता का ख्याल आ रहा है। वहीं अपेक्षाकृत सस्ती होने से स्वदेशी वस्तुओं की बिक्री भी बढ़ रही है। टोली सदस्य अखिलेश समैया ने बताया कि वस्तुएं एवं उत्पाद किसी भी मामले में विदेशी वस्तुओं से कम नहीं हैं। इस अवसर पर अभय दरे, विनय मलैया, समाजसेवी सौरभ रांधेलिया, सिद्धार्थ शुक्ला, सुष्मिता ठाकुर, पूजा पांडे, कैलाश तिवारी, नितिन पटैरिया, सुनीता अरिहंत आदि उपस्थित थे।

मीडिया कवरेज

स्वदेशी मेला • देश के विभिन्न राज्यों से आए लोक कलाकारों ने दी प्रस्तुति; आज से बुंदेलखंड केसरी कुश्ती प्रतियोगिता : कपिल

ब्रज के मयूर नृत्य और बुंदेलखंड के नौरता ने लोगों को लुभाया

भास्कर संवाददाता | सागर

सागर | पीटीसी ग्राउंड में चल रहे स्वदेशी मेले में विभिन्न राज्यों के लोकनृत्य की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में महाराष्ट्र, हरियाणा, उप्र एवं मप्र के कलाकारों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं।

स्वर्णिम भारत फाउंडेशन व स्वदेशी जागरण मंच द्वारा पीटीसी मैदान में आयोजित 8 दिवसीय स्वदेशी मेला अपने पूरे शबाब पर है। स्वदेशी मेला के छठवें दिन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। मेले में संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार एवं हरियाणा कला परिषद के सहयोग से संस्था लोक रंग दर्पण कला केंद्र द्वारा आयोजित आदिवासी एवं जनजाति उत्सव में अनेक प्रस्तुतियां हुई। लोक रंग दर्पण की सचिव विनीता दोहरे ने बताया कि देश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इसके अलावा मेंहदी प्रतियोगिता, यूटीडी की टीम द्वारा योग प्रस्तुति, बच्चों की बैंड, गायन प्रस्तुति ने लोगों का मन मोह लिया।

शुक्रवार को मुख्य अतिथि नरयावली विधायक प्रदीप लारिया ने कहा कि जैसे-जैसे भारतीय अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, यह महत्वपूर्ण है कि हम अधिक से अधिक स्वदेशी उत्पाद खरीदकर अपनी अर्थव्यवस्था का समर्थन करें। भाजपा जिला अध्यक्ष गौरव सिरोठिया ने कहा कि स्वदेशी उत्पादों या भारतीय ब्रांडों को बढ़ावा देते हैं तो नौकरियों में वृद्धि की बेहतर संभावनाएं हैं। जेल अधीक्षक दिनेश नागवारे ने कहा कि भारत के कई देशों से व्यापारिक संबंध रहे हैं लेकिन जो हमारे देश में बन सकता है या उपलब्ध है उसका इस्तेमाल अब हम करेंगे। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया एनके सिंह, डीएफओ उत्तर मंडल चंद्रशेखर सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

मेले के संयोजक, समाजसेवी कपिल मलैया ने बताया कि महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश राज्यों के कलाकारों ने अपनी रंगारंग प्रस्तुतियां दीं एवं शनिवार से दो दिवसीय बुंदेलखंड केसरी कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि मेले में सामाजिक समरसता को प्रमुखता देने के ध्येय के चलते शहर की विविध सामाजिक संस्थाओं की कला, संस्कृति और कलाकारों को प्रतिदिन मंच प्रदान किया जा रहा है। जिससे आमजन भी रूबरू हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी भाषा, वेशभूषा और गायकी में भारतीयता अपनानी चाहिए। मेला संरक्षक शैलेश केसरवानी ने बताया कि इस स्वदेशी मेला का उद्देश्य धन उपार्जन करना नहीं है। बल्कि इसका उद्देश्य लोगों को स्वदेशी वस्तुओं के प्रति जागरूक करना और कलाकारों को मंच प्रदान करना है। मेला सहसंयोजक शिशांक तिवारी ने भी विचार रखे।

इस अवसर पर प्रदीप राजौरिया, विनय मलैया, सुनील सागर, अरुण सिंघई, सुनीता अरिहंत, सौरभ रांधेलिया, राम मिश्रा, जय कुमार जैन, रवीन्द्र ठाकुर आदि उपस्थित रहे। संचालन नितिन पटैरिया व सुष्मिता ठाकुर ने किया। आभार अखिलेश समैया ने व्यक्त किया।

स्वदेशी मेला में महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश के कलाकारों ने दी अपनी रंगारंग प्रस्तुतियां : कपिल मलैया

स्वदेशी मेला में महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश के कलाकारों ने दी अपनी रंगारंग प्रस्तुतियां: कपिल मलैया

सागर, देशबन्धु। स्वर्णिम भारत फाउंडेशन स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित पीटीसी मैदान में संचालित 8 दिवसीय स्वदेशी मेला अपने पूरे खुमार पर है। स्वदेशी मेला के छठवें दिन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। मेला में संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार एवं हरियाणा कला परिषद के सहयोग से संस्था लोक रंग दर्पण कला केंद्र के द्वारा आयोजित आदिवासी एवं जनजाति उत्सव किया गया। लोक रंग दर्पण की सचिव विनीता दोहरे ने बताया कि देश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इसके अलावा मेंहदी प्रतियोगिता, यूटीडी की टीम द्वारा योग प्रस्तुति, बच्चों की बैंड, गायन प्रस्तुति ने लोगों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि विधायक प्रदीप लारिया ने कहा कि जैसे-जैसे भारतीय अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, यह महत्वपूर्ण है कि हम अधिक से अधिक स्वदेशी उत्पाद खरीदकर अपनी अर्थव्यवस्था का समर्थन करें। भाजपा जिला अध्यक्ष गौरव सिरोठिया ने कहा कि स्वदेशी उत्पादों या भारतीय ब्रांडों को बढ़ावा देते हैं तो नौकरियों में वृद्धि की बेहतर संभावनाएं हैं। प्रत्येक देश के नागरिक अपने देश के उत्पादों का उपयोग करना चाहते हैं। जेल पुलिस अधीक्षक दिनेश नागवारे ने कहा कि स्वदेशी हर देश के लिए हर समय बहुत आवश्यक होता है। स्वदेशी की बात करने का मतलब यह नहीं है किए विदेशों से व्यापार संबंध समाप्त कर लेना। मेला के संयोजक, समाजसेवी कपिल मलैया ने बताया कि महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश राज्यों के कलाकारों ने अपनी रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। उन्होंने कहा कि एक ओर शहरवासी मेला देखने के लिए उत्सुक हैं वहीं अपने-अपने हुनर और प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने के लिए भी युवाओं और प्रतिभागी मेले में भाग ले रहे हैं। मेले की सामाजिक समरसता को प्रमुखता देने के ध्येय के चलते शहर के विविध सामाजिक संस्थाओं की कला, संस्कृति को प्रतिदिन मंच प्रदान किया जा रहा है जिससे आमजन भी रूबरू हो रहे हैं और सामाजिक समरसता को पोषण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी भाषा, वेशभूषा और गायकी में भारतीयता अपनानी चाहिए। इस अवसर पर प्रदीप राजौरिया, विनय मलैया, सुनील सागर, अरुण सिंघई, सुनीता अरिहंत, सौरभ रांधेलिया, राम मिश्रा, जय कुमार जैन, रवीन्द्र ठाकुर आदि उपस्थित थे।

स्वदेशी मेला में प्राकृतिक चिकित्सा और प्राकृतिक खाद के स्टॉल लगने से लोगों को मिल रहा अद्भुत फायदा: कपिल मलैया

मेला में आयोजित हुई दंगल प्रतियोगिता, अतिथियों ने प्रतिभागियों को किया

स्वदेशी एक विचार विषय पर संगोष्ठी

सागर। स्वदेशी मेला पीटीसी ग्राउंड में अखिल भारतीय महिला परिषद की महिलाओं व एकता समिति के साथ स्वदेशी एक विचार विषय पर संगोष्ठी हुई। संगोष्ठी में मेला संयोजक कपिल मलैया, रशीद भाई, सुधीर जैन, पंकज भाई, डॉ. आशा जैन, शकुंतला जैन, मंजू मनन जैन, दीप्ति चंदेरिया, संध्या रांधेलिया, ज्योति सराफ, आशा सेठ, सुनीता अरिहंत, अंजू गोदरे, प्रीति जैन, सरिता जैन आदि उपस्थित थीं।

स्वदेशी मेले में दूसरे दिन दर्शकों की उमड़ी भीड़

स्वदेशी मेला में देखने मिल रहा शहरवासियों का उत्साह

स्वदेशी मेला में दर्शकों की उमड़ी भीड़, जयपुरी ज्वेलरी, परंपरागत भारतीय व्यंजन ने मचाई धूम

स्वदेशी मेला में आदिवासी एवं जनजाति उत्सव का हुआ आयोजन

सागर। स्वदेशी मेला सागर में संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार एवं हरियाणा कला परिषद के सहयोग से संस्था लोक रंग दर्पण कला केंद्र के द्वारा आदिवासी एवं जनजाति उत्सव का आयोजन किया गया। लोक रंगदर्पण की सचिव विनीता दोहरे ने बताया कि इस महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यो से आए कलाकारो द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई जिसमे महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं मध्यप्रदेश राज्यो के कलाकार शामिल हुए।

मीडिया कवरेज

स्वदेशी मेले में बुंदेलखंड के रामकुमार विश्वकर्मा ने बुंदेली गीतों से लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया

फिनाक्स बैंड और बुंदेली गीत की प्रस्तुति ने रोमांचित किया

भास्कर संवाददाता | सागर

पीटीसी ग्राउंड पर चल रहे स्वदेशी मेला के नौवे दिन फिनॉक्स बैंड ने मेले में समा बांध दिया। अभिलाष पांडे द्वारा गायन प्रस्तुति दी गई इसके साथ ही यूटीडी के विद्यार्थियों द्वारा योग प्रस्तुति दी गई इसके साथ ही बुंदेलखंड के प्रसिद्ध रामकुमार विश्वकर्मा द्वारा बुंदेली गीत के माध्यम से लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया।

मेले में जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने पर जोर सदैव से दिया जाता रहा है यह बात मन की बात में हमारे प्रधानमंत्री ने स्वदेशी उत्पाद खरीदने का संकल्प लेने की अपील की है। जब स्वदेशी उत्पादों की बिक्री घटेगी तो इसका असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा जो काफी नुकसानदायक होगा। स्वदेशी मेला के समस्त पदाधिकारी एवं टोली सदस्यों को शुभकामनाएं देता हूं जिन्होंने इस तरह के मेले की पहल कर लोगों को जागरूक बनाने का प्रयास किया।

शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक मनीष वर्मा ने कहा कि हमारे देश में संसाधनों की कोई कमी नहीं है। बेहतर संसाधनों के साथ स्किल भी है। अगर दोनों का उपयोग इच्छाशक्ति के साथ किया जाए तो हम किसी भी देश से कम साबित नहीं होंगे। बस, जरूरत मजबूत इरादों की है और स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने की। जो इस स्वदेशी मंच द्वारा किया गया है यह बहुत ही सराहनीय है।

मेला के संयोजक, समाजसेवी कपिल मलैया ने बताया कि जल्द ही दोबारा ऐसे ही स्वदेशी मेला का आयोजन किया जावेगा जिसमें इससे अधिक स्वदेशी दुकान होंगी और लोगों को उनका लाभ मिलेगा। स्वदेशी मेला का मुख्य उद्देश्य स्वावलंबन है। ग्रामीण क्षेत्रों के लघु एवं कुटीर उद्योग में संलग्न लोगों के उत्पादों का उचित मूल्य दिलाकर उनका व्यापक प्रचार-प्रसार कर जनमानस में स्वदेशी के प्रति आकर्षण पैदा करना है। मेला संरक्षक शैलेश केशरवानी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जो हमें वोकल फ़ॉर लोकल का नारा दिया है इस नारे को और संकल्प को आगे बढ़ते हुए इस मेले का आयोजन किया गया है क्योंकि स्वदेशी वस्तुओं का महत्व हमें कोरोना काल में सीखने को मिला। इस अवसर विनय मलैया, अखिलेश समैया डॉ. आशुतोष गोस्वामी असि. डायरेक्टर, संजय सिंह सेंगर, डिविजनल स्पोर्ट ऑफिसर, पप्पू तिवारी, सुनील सागर, सौरभ रांधेलिया, सिद्धार्थ शुक्ला, सुष्मिता ठाकुर, विवेक सिंघई, नरेन्द्र साहू, अंजली दुबे, नितिन सोनी, कैलाश तिवारी, अभिषेक रजक नितिन पटेरिया, सुनीता अरिहंत, श्रेयांश जैन, रविंद्र ठाकुर, सहित मेला टोली के सदस्यगण उपस्थित रहे।

स्वदेशी मेला में नृत्य, गायन, वाद्य यंत्र एवं काव्य पाठ की प्रस्तुति

सागर, देशबन्धु। स्वर्णिम भारत फाउंडेशन स्वदेशी जागरण मंच के द्वारा आयोजित स्वदेशी मेला के चौथे दिन मुख्य अतिथि कलेक्टर दीपक आर्य, एसपी अभिषेक तिवारी, पूर्व महापौर अभय दरे ने दीप प्रज्वलन कर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत की। मेला परिसर में लोगों कि भारी भीड़ उमड़ी। लोग अपने पसंद के सामानों की खरीदारी उत्साह पूर्वक करते दिखे। वही दूसरी ओर स्वदेशी जागरण मंच द्वारा मेला में आये दर्शकों और राष्ट्र प्रेमियों के लिये सांस्कृतिक व मनोरंजक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मेले में कृष्णा विजया कलायतन ग्रुप द्वारा वाद्य यंत्र, हरगोविंद विश्व द्वारा काव्य पाठ, पूजा पढ़ेले द्वारा नृत्य की प्रस्तुति, नितिन जैन एवं उनके साथियों द्वारा गायन की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि स्वदेशी वस्तुये जब लोग खरीदते हैं तो उसका पैसा हमारे देश में रहता है जिससे देश तेजी से विकास करता है और देश की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती हैं। जब देश के लोगों को स्वदेशी वस्तु का उपयोग करने की आदत लगती है तो यह हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण साबित होती है। एसपी अभिषेक तिवारी ने कहा कि विदेशी कंपनियां भारत में विदेशी वस्तुओं का प्रचार-प्रसार करती हैं जिससे हमारे भारत देश के लोग विदेशी वस्तुओं या सामग्रियों के प्रति आकर्षित होते हैं और उनको खरीदते हैं जिससे हमारे भारत देश का ही नुकसान होता है। हमें चाहिए कि हम उन विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करें और स्वदेशी वस्तु को अपनाएं। पूर्व महापौर अभय दरे ने कहा कि हम हमारे देश में रहते हैं तो हमारा कर्तव्य होता है कि हम देश को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाये और यह हम यह सब तभी कर सकते हैं जब हम मिलकर स्वदेशी अपनाने की ओर जागरूक रहें।

मेला को सफल बनाने में जुटे मेला के संयोजक, समाजसेवी कपिल मलैया ने बताया कि मेला की खासियत है कि यहां लोगों को एक ही छत के नीचे स्वदेशी सामान उपलब्ध हो रहे हैं। इसके साथ ही यहां आकर लोग चटपटे व्यंजनों का भी आनंद ले रहे हैं। मेला में बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले भी लगाये गए हैं। इस मेला में देश के विभिन्न सांस्कृतिक रंगों की छटा देखते ही बनती है। खान पान और हस्तशिल्प के नायाब विकल्पों से मेला सराबोर हैं। यह स्वदेशी मेला देश की विविधता में एकता की कड़ियों को मजबूत करने के साथ-साथ वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को भी आगे बढ़ाता है। मंच का संचालन नितिन पटैरिया, सिद्धार्थ शुक्ला ने किया।

बुंदेलखंड केशरी का खिताब जीता, नयन करोशिया सागर और उपविजेता रहे जबलपुर के सौरभ यादव

सागर। पीटीसी ग्राउंड, पहलवान बब्बा के सामने सागर में भारतीय शैली कुश्ती संघ सागर के तत्वाधान में आयोजित की गई जिसमें जबलपुर, डिण्डौरी, कटनी, छिंदवाड़ा, बालाघाट, सिवनी, मण्डला, नरसिंहपुर, दमोह, छतरपुर, एवं मेजबान सागर के लगभग 90 पहलवानों ने भाग लिया। मंच पर उपस्थित भारतीय शैली कुश्ती संघ मप्र के उपाध्यक्ष कपिल मलैया, भारतीय शैली कुश्ती संघ के प्रदेश महासचिव अर्जुन यादव, भारतीय शैली कुश्ती संघ के सह सचिव कौशल सोनी एवं अनेक उस्ताद खलिफाओं की उपस्थिति में दो दिवसीय कुश्ती स्पर्धा का अनेक भार वर्गों में आयोजन किया गया। जिसके फाईनल के परिणाम इस प्रकार है:- 50 कि.ग्रा. अमित यादव सागर प्रथम, शिवराम वंशकार कटनी द्वितीय, पीयूष ठाकुर सागर तृतीय। 55 कि.ग्रा. में धरम वंशकार कटनी प्रथम, महेन्द्र रैकवारी दमोह द्वितीय, विकास यादव सागर तृतीय। 60 कि.ग्रा. अभिषेक यादव सागर प्रथम, अवध केशरवानी जबलपुर द्वितीय, ललित कुमार नरसिंहपुर तृतीय रहे।

मेला में आयोजित हुई दंगल प्रतियोगिता, अतिथियों ने प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

देशी मेला में लगाए गए प्राकृतिक चिकित्सा और खाद के स्टॉल

कुश्ती हमारी पुरातन परम्परा और संस्कृति से जुड़ा हुआ खेल है : कपिल मलैया

उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों के प्रति जागरूकता व बढ़ावा देना हमारा उद्देश्य : कपिल मलैया

स्वदेशी मेला में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

कुश्ती प्रतियोगिता के लिए छत्रसाल अखाड़ा में हुआ खिलाड़ियों का चयन

मीडिया कवरेज

स्वदेशी मेला जैसे आयोजन से लोकल उत्पादों के देश में ही नहीं विदेश में भी नए मार्केट बन सकते हैं : कपिल

स्वदेशी मेला का समापन : कवि सम्मेलन, लोकगीत, लोकनृत्य एवं राधे-राधे संगीत मंडल द्वारा भजन की प्रस्तुति

भास्कर संवाददाता | सागर

स्वदेशी मेला के समापन पर कलाकारों का सम्मान किया गया।

पीटीसी मैदान में स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित स्वदेशी मेला का दसवें दिन मंगलवार को समापन हो गया। मेला में कवि सम्मेलन, बैंड प्रस्तुति, सलोनी विश्वकर्मा एवं उनकी टीम द्वारा लोकगीत, महिमा तिवारी द्वारा भजन संध्या, रजनी दुबे द्वारा नृत्य, गणेश वंदना एवं लोकनृत्य की प्रस्तुति के साथ राधे-राधे संगीत मंडल द्वारा भजन की प्रस्तुति का लोगों ने आनंद लिया। स्वदेशी जागरण मंच और कैट के पदाधिकारियों की स्वदेशी एक विचार विषय पर संगोष्ठी भी हुई।

समापन समारोह के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विभाग संघ चालक डॉ गौरीशंकर चौबे ने कहा कि स्वदेशी का मतलब अपनों और अपने देश से प्रेम है। यही भावना शहर, प्रदेश और देश को ऊंचाइयों पर ले जा सकती है।

मुख्य अतिथि कृषि विभाग के उपसंचालक बीएल मालवीय ने कहा कि भारत को आधुनिक और आत्मनिर्भर बनाने में स्वदेशी मेला महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मेला के संयोजक, समाजसेवी कपिल मलैया ने कहा कि ऐसे मेलों के माध्यम से लोगों के अंदर स्वदेशी और देशभक्ति की भावना जागृत होती है। जिसके कारण कुटीर उद्योगों का व्यापार बढ़ने लगा है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी मेले जैसे आयोजन के जरिए लोकल उत्पादों जैसे ज्वेलरी, आयुर्वेद, कपड़े, आचार, मसाले, कलाकृतियां आदि की देश में ही नहीं विदेश में भी नए मार्केट बन सकते हैं जिससे भारत की अर्थव्यवस्था के साथ ही इससे जुड़े महिला स्व-सहायता समूहों और दूसरे लोगों की आमदनी बढ़ेगी। मेले की सफलता पर उन्होंने समस्त अतिथियों और शहरवासियों का आभार माना।

मेला संरक्षक शैलेश केशरवानी ने कहा कि पहले भारत विदेशी कंपनियों के लिए एक बाजार हुआ करता था लेकिन प्रधानमंत्री के प्रयास से देश अब उपभोक्ता से उत्पादक बन गया है। मेला सह संयोजक रिशांक तिवारी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। विशिष्ट अतिथि के तौर पर डीएसपी जेएनपीए हिमांशु चौबे, धर्म रक्षा संगठन अध्यक्ष सूरज सोनी, विचार समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया रहे। अखिलेश समैया ने बताया कि मेले में 145 से अधिक स्टॉल पर अच्छा रिस्पांस देखा गया है। इस अवसर पर सरोज मलैया, सुनीता अरिहंत, अंजली दुबे, हिमांशु दुबे, डॉ. श्वेता नेमा, सुष्मिता, संजीव दिवाकर, सुरेन्द्र मालथौन, आदि उपस्थित थे।

लोकगीत, भजन व नृत्य की प्रस्तुतियों के साथ स्वदेशी मेले का हुआ समापन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. पीटीसी मैदान में मंगलवार को स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित स्वदेशी मेला का दसवें दिन समापन हो गया। मेला में सलोनी विश्वकर्मा एवं उनकी टीम द्वारा लोकगीत, महिमा तिवारी द्वारा भजन संध्या, रंजनी दुबे द्वारा नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

मुख्य वक्ता गौरीशंकर चौबे, बीएल मालवीय, भाजपा नेत्री लता वानखेड़े, हिमांशु चौबे, सूरज सोनी एवं सौरभ रांधेलिया थे। मेला के संयोजक, समाजसेवी कपिल मलैया ने बताया कि ऐसे मेलों के माध्यम से लोगों के अंदर स्वदेशी और देशभक्ति की भावना जागृत होती है। जिसके कारण आज छोटे-छोटे कुटीर उद्योगों का व्यापार बढ़ने लगा है। इस अवसर पर सरोज मलैया, सुनीता अरिहंत, अंजली दुबे, हिमांशु दुबे, डॉ. श्वेता नेमा, सुष्मिता, संजीव दिवाकर, अनिमेष शाह, सुरेन्द्र मालथौन, सिद्धार्थ शुक्ला, सूरज सोनी, समीर जैन, पंकज तिवारी, शिवकुमार अग्रवाल, दिनेश पटैल, सुधीर जैन, सौरभ जैन उपकार, रितुराज जैन, रविन्द्र ठाकुर, नितिन सोनी सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

मीडिया कवरेज

विचार समिति ने 1100 स्थानों पर फहराया तिरंगा, लोगों को बताए झंडा वंदन के नियम

भास्कर संवाददाता | सागर

विचार समिति ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर घर- घर झंडा वंदन थीम पर 1100 स्थानों पर झंडावंदन किया। विचार समिति कार्यालय में मुख्य अतिथि सुरेंद्र जैन मालथौन, दीप्ति चंदेरिया, प्रीति मलैया, विनय मलैया उपस्थित रहे। संचालन अखिलेश समैया ने किया। विचार समिति एवं सिंघई दिलीप सौरभ फाउंडेशन की ओर से चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी कटरा बाजार में किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुरेंद्र मालथौन ने संविधान के निर्माता एवं स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया। अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि हम लगातार पिछले 4 वर्षों से घर- घर झंडावंदन थीम पर 1100 से अधिक जगह झंडा वंदन करते आ रहे हैं। झंडावंदन करने का उद्देश्य हमारे बीच ऐसे बहुत से लोग होते हैं जिनके मन में तिरंगा फहराने की इच्छा होती है, पर वे यह कर नहीं पाते। अब समिति के माध्यम से उन सभी व्यक्तियों को झंडावंदन करने का मौका मिल रहा है।

समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि झंडा वंदन की सामग्री समिति द्वारा तिरंगा झंडा, डंडा, रस्सी आदि घर-घर पहुंचाए गए। झंडावंदन की पूरी जानकारी साझा की गई। जैसे तिरंगे को सूर्योदय के पश्चात फहराया जाता है एवं सूर्यास्त से पूर्व इसे उतारना चाहिए। स्कूल चले अभियान अंतर्गत केंद्रों पर गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन में बच्चों को गणतंत्र दिवस के बारे में ऐतिहासिक तथ्यों की जानकारी दी गई। साथ ही शिक्षा के प्रति जागरूक किया। कविता, कहानी एवं नृत्य, नाटक, चित्रकला में भाग लेने प्रोत्साहन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता की जानकारी देते हुए सिंघई दिलीप सौरभ फाउंडेशन अध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने कहा गणतंत्र दिवस पर बच्चों के द्वारा स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत विषय पर चित्रकला के माध्यम से स्वच्छता पर संदेश देने का प्रयास किया।

इन समितियों ने किया झंडावंदन

विचार समिति के समन्वयक व सहायक, एकनाथ अनुशिक्षण संस्थान, एकता समिति, जैन मिलन, अपराजित मददगार योद्धा समाज कल्याण समिति, बालक हिल व्यू, धर्म रक्षा संगठन, अखिल भारतवर्षीय महिला परिषद, वैश्य महासमिति, निताई प्ले स्कूल मकरोनिया, मातृ छाया क्लीनिक, तनिष्क शोरूम, ग्राम मोठी, ग्राम सीहोरा, राहतगढ़, मकरोनिया, तिली गांव आदि जगह विचार समिति के माध्यम से झंडा वंदन किया गया।

विचार समिति ने हर्ष और उल्लास के साथ मनाया 1100 स्थानों पर 75वां गणतंत्र दिवस

सागर। विचार समिति ने 75 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर घर- घर झंडावंदन थीम पर 1100 स्थानों पर विचार मोहल्ला परिवारों, सहायकों के साथ बड़े हर्षो-उल्लास के साथ झंडावंदन किया गया। विचार समिति कार्यालय में मुख्य अतिथि सुरेंद्र जैन मालथौन, दीप्ति चंदेरिया, प्रीति मलैया, विनय मलैया उपस्थित रहे। मंच का संचालन अखिलेश समैया ने किया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर विचार समिति एवं सिंघई दिलीप सौरभ फाउंडेशन की ओर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी कटरा बाजार में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुरेंद्र मालथौन ने संविधान के निर्माता एवं स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया।

अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि हम लगातार पिछले 4 वर्षों से घर- घर झंडावंदन थीम पर 1100 से अधिक जगह झंडावंदन करते आ रहे है। झंडावंदन करने का उद्देश्य हमारे बीच ऐसे बहुत से लोग होते है जिनके मन में तिरंगा फहराने की इच्छा होती है, पर वे यह कर नहीं पाते लेकिन समिति के माध्यम से उन सभी व्यक्तियों को झंडावंदन करने का मौका मिलता है।

समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि झंडावंदन की सामग्री समिति द्वारा जैसे- तिरंगा झंडा, डंडा, रस्सी आदि घर - घर पहुंचाये गए एवं झंडाबंधन की पूरी जानकारी साझा की गई थी जैसे तिरंगे को सूर्योदय के पश्चात फहराया जाता है एवं सूर्यास्त से पूर्व इसे उतारना चाहिए। स्कूल चले अभियान अंतर्गत केंद्रों पर गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन में बच्चों को गणतंत्र दिवस के बारे में ऐतिहासिक तथ्यों की जानकारी दी गई, साथ ही शिक्षा के प्रति जागरूक किया। कविता, कहानी एवं नृत्य, नाटक, चित्रकला में भाग लेने प्रोत्साहन किया गया।

चित्रकला प्रतियोगिता की जानकारी देते हुये सिंघई दिलीप सौरभ फाउंडेशन अध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने कहा 75 वें गणतंत्र दिवस पर बच्चों के द्वारा स्वच्छ भारत - स्वथ्य भारत विषय पर चित्रकला के माध्यम से स्वच्छता पर संदेश देने का प्रयास किया।

विचार समिति करेगी 1008 दीपक प्रज्ज्वलित

सागर श्रीराम जन्म भूमि अयोध्या में भगवान राम की अलौकिक प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर विचार समिति द्वारा 1008 दीपक श्री गौराबाई दिगंबर जैन मंदिर प्रांगण नमकमंडी में सोमवार शाम 7 बजे प्रज्जवलित किए जाएंगे। यह जानकारी समिति के मार्गदर्शक श्रेयांश जैन ने दी।

अपराजित मददगार योद्धा समाज कल्याण समिति द्वारा किया गया विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। अपराजित मददगार योद्धा समाज कल्याण समिति के द्वारा 21 जनवरी को श्री राम प्राण प्रतिष्ठ समारोह के 1 दिन पहले रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें युवा वर्ग, मातृशक्ति और हमारी बहनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और 71 यूनिट का रक्तदान जिला अस्पताल को दिया। रक्तदान शिविर में ऐसे कई लोगों ने रक्तदान किया। जिन्होंने एक से अधिक बार रक्तदान पहले कर चुके हैं। कार्यक्रम में रक्तदान करने नरयावली से हिमांशु के नेतृत्व में 12 लोगों की टीम आई और हमारे सागर से कोतवाली थाने के टीआई साहब नवीन जैन द्वारा रक्तदान किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में संरक्षक राजकुमार जैन द्वारा रक्तदान किया गया। अल्लू भैया के साथ शैलेंद्र सिंह ने पहली बार रक्तदान किया। अपराजित मददगार योद्धा समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष विजय जैन सरकार ने बताया कि भगवान राम के लिए राम का काम करना बहुत जरूरी है इस उपलक्ष में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिससे थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को समय पर रक्त मिल सके और परेशान होने से बचा जा सके। कार्यक्रम की शुरूआत में राम भगवान और बड़े बाबा का चित्र का अनावरण किया गया और दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। सामूहिक नेतृत्व के कारण यह सफल हो पाया है। इस कार्यक्रम के सूत्रधार मददगार समिति संयोजक की सुदीप जैन सी.ए सोनू, संदीप, रोमन , परिचित, प्रिंस, साहिल, राहुल, कुलदीप, राहुल, लालू गुप्ता, बिट्टू भैया, अमित राठौर, सुखजीत अहलूवालिया, समीर जैन रक्तदान महादान आलोक जैन, राजीव जैन, दीपशिखा जैन, सिटी ब्लड बैंक से संगीतासिंह, सौरभ रंधेलिया, संरक्षक राजकुमार जैन, डॉ राहुल जैन मुख्य रूप से उपस्थित रहे। महेश जैन के साथ जिला अस्पताल टीम मौजूद रही।

रक्तदान शिविर में 71 यूनिट रक्त दिया, जिला अस्पताल को भेंट किया

सागर | अपराजित मददगार योद्धा समाज कल्याण समिति द्वारा रविवार को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें युवा वर्ग, मातृ शक्ति ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और 71 यूनिट का रक्तदान जिला अस्पताल को किया। नरयावली से हिमांशु के नेतृत्व में 12 लोगों की टीम ने रक्तदान किया। टीआई नवीन जैन, राजकुमार जैन, अल्लू भैया, शैलेंद्र सिंह ने पहली बार रक्तदान किया। समिति के अध्यक्ष विजय जैन सरकार ने बताया कि रक्तदान शिविर थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को रक्त देने के लिए लगाया गया। इस मौके पर सुदीप जैन, सोनू, संदीप, रोम, साहिल, राहुल, कुलदीप, राहुल, लालू, बिट्टू, अमित, अंकित आदि मौजूद रहे।

रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ

सागर,आचरण। अपराजित मददगार योद्धा समाज कल्याण समिति के द्वारा 21 जनवरी को श्री राम प्राण प्रतिष्ठा समारोह के 1 दिन पहले रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें युवा वर्ग मातृशक्ति और हमारी बहनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और 71 यूनिट का रक्तदान जिला अस्पताल को दिया रक्तदान शिविर में ऐसे कई लोगों ने रक्तदान किया जिन्होंने एक से अधिक बार रक्तदान पहले कर चुके हैं। कार्यक्रम में रक्तदान करने नरयावली से हिमांशु जी के नेतृत्व में 12 लोगों की टीम आई और हमारे सागर से कोतवाली थाने के टीआई साहब नवीन जैन जी द्वारा रक्तदान किया गया कार्यक्रम की शुरुआत में संरक्षक राजकुमार जी जैन द्वारा रक्तदान किया गया आलू भैया के साथ शैलेंद्र सिंह जी ने पहली बार रक्तदान किया। अपराजित मददगार योद्धा समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष विजय जैन सरकार ने बताया कि भगवान राम के लिए राम का काम करना बहुत जरूरी है इस उपलक्ष में आज रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिससे थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को समय पर रक्त मिल सके और परेशान होने से बचा जा सके कार्यक्रम की शुरुआत में राम भगवान और बड़े बाबा का चित्र का अनावरण किया गया और दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई सामूहिक नेतृत्व के कारण यह सफल हो पाया है। इस कार्यक्रम के सूत्रधार मददगार समिति संयोजक की सुदीप जैन जी सी.ए सोनू जी संदीप जी रोमन जी परिचित जी प्रिंस जी साहिल जी राहुल जी कुलदीप जी राहुल जी लालू गुप्ता जी बिट्टू भैया अमित राठौर सुखजीत अहलूवालिया जी समीर जैन रक्तदान महादान आलोक जैन राजीव जैन दीपशिखा जैन सिटी ब्लड बैंक से संगीतासिंह जी सौरभ रंधेलिया जी संरक्षक राजकुमार जैन, के साथ जिला अस्पताल टीम मौजूद रही।

दिगम्बर जैन मंदिर में रक्तदान शिविर 21 को

सागर। श्रीराम जन्म भूमि अयोध्या में भगवान राम की अलौकिक प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर 21 जनवरी को सुबह 9 बजे से आदिनाथ जैन मंदिर लिंक रोड पर अपराजित मददगार योद्धा समाज कल्याण समिति द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है।

शिविर के मुख्य अतिथि विधायक शैलेन्द्र जैन, आकाश सिंह राजपूत हैं। समिति के संरक्षक कपिल मलैया ने बताया कई बार मरीजों के शरीर में खून की मात्रा इतनी कम हो जाती है कि उन्हें किसी और व्यक्ति से ब्लड लेने की आवश्यकता पड़ जाती है। ऐसी ही इमरजेंसी स्थिति में खून की आपूर्ति के लिए लोगों को रक्तदान करने के लिए आगे आना चाहिए। इससे जरुरत मंद व्यक्ति की मदद हो सकेगी। आयोजकों ने लोगों से रक्तदान करने की अपील की है।

विचार समिति ने हर्ष और उल्लास के साथ मनाया 1100 स्थानों पर 75 वां गणतंत्र दिवस

सागर, देशबन्धु। विचार समिति ने 75 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर घर-घर झंडावंदन थीम पर 1100 स्थानों पर विचार मोहल्ला परिवारों, सहायकों के साथ बड़े हर्षो उल्लास के साथ झंडावंदन किया गया। विचार समिति कार्यालय में मुख्य अतिथि सुरेंद्र जैन मालथौन, दीप्ति चंदेरिया, प्रीति मलैया, विनय मलैया उपस्थित रहे। मंच का संचालन अखिलेश समैया ने किया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर विचार समिति एवं सिंघई दिलीप सौरभ फाउंडेशन की ओर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी कटरा बाजार में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुरेंद्र मालथौन ने संविधान के निर्माता एवं स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया। अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि हम लगातार पिछले 4 वर्षों से घर-

घर झंडावंदन थीम पर 1100 से अधिक जगह झंडावंदन करते आ रहे है। झंडावंदन करने का उद्देश्य हमारे बीच ऐसे बहुत से लोग होते है जिनके मन में तिरंगा फहराने की इच्छा होती है, पर वे यह कर नहीं पाते लेकिन समिति के माध्यम से उन सभी व्यक्तियों को झंडावंदन करने का मौका मिलता है। समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि झंडावंदन की सामग्री समिति द्वारा घर-घर पहुंचाये गए एवं झंडाबंधन की पूरी जानकारी साझा की गई थी। स्कूल चले अभियान अंतर्गत केंद्रों पर गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन में बच्चों को गणतंत्र दिवस के बारे में ऐतिहासिक तथ्यों की जानकारी दी, साथ ही शिक्षा के प्रति जागरूक किया। कविता, कहानी एवं नृत्य, नाटक, चित्रकला में भाग लेने प्रोत्साहन किया।

विचार समिति द्वारा 1008 दीपक प्रज्ज्वलित

श्री राम जन्मभूमि अयोध्या में भगवान श्री राम की अलौकिक प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर विचार समिति द्वारा गोबर के 1008 दिये श्री गौराबाई दिगंबर जैन मंदिर प्रांगण नमक मंडी में प्रज्वलित किए गए। इस अवसर पर समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, मार्गदर्शक श्रेयांश जैन, संतोष घड़ी, आकाश हार्डवेयर, अखलेश समैया आदि उपस्थित थे।

हमारे सहयोगी

O.P. Jindal Global University
A Private University Promoting Public Service

TISS
Tata Institute Of Social Sciences

UPES
UNIVERSITY OF THE FUTURE

BHU
Banaras Hindu University

QUEST ALLIANCE

Goodera

ConnectAID
The International Solidarity Network

learning initiatives for india

meraadhikar
one nation. one platform

Lyvefresh®

TechPose

BENNETT UNIVERSITY
TIMES OF INDIA GROUP

ACADEMIA FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT

POLICY RESEARCH FOUNDATION
PRF

NCD NAVJIVAN CENTER FOR DEVELOPMENT
We Design Your Growth Story

danamojo
experience the magic of giving

IIMT
GROUP OF COLLEGES
Greater Noida • Meerut
— Aim For Excellence —

Dr. H.S. Gour University
Sagar [M.P.]

THE ART OF LIVING®

Rotary
Club of Sagar

STEP-AHEAD
Fellowship
Preparation–Support
MGNF, Gandhi Fellow, Urban Fellow, SBI Youth, TFI etc.

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT
ROHTAK

Bharat Vikas Parishad
Sagar [M.P.]

ISRN

Edu-Vitae
Services
JOIN! LEARN! ACHIEVE!

India is us!
i2u Social Foundation

संजीवनी बाल आश्रम

For HER Foundation
Hygiene | Empowerment | Respect

॥ विचार समिति ॥
(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्र में दान देकर इस मुहिम को आगे बढाने में सहयोग करें ।
दान राशि बैंक खाते में डालने हेतू जानकारी इस प्रकार है ।

Bank - State Bank of India
Bank A/c Name - Vichar Samiti
Account No. - 37941791894
IFSC Code - SBIN0000475

Paytm/Phonepe/Googlepay आदि से दान करने के लिए QR कोड को स्कैन करे ।

cfpay.dmvicharsamiti@icici

-: संपर्क :-

+91 95757 37475
linkedin.com/in/vichar-samiti
samiti.vichar@gmail.com
www.vicharsamiti.in
Sagar, Madhya Pradesh India

संपादक - आकांक्षा मलैया, प्रबंधक व प्रकाशक - विचार समिति, स्वामित्व - विचार समिति, 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा.लि. के पीछे, सागर (म.प्र.), पिन-470002
मुद्रण - तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट, पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली, रामपुरा वार्ड, सागर